राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,24सितम्बर2020 वर्ष-3, अंक -238 पृष्ठ-10 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत बायोटेक का इंट्रानेजल कोविड वैक्सीन के लिए वाशिंगटन यूनिवर्सिटी से करार

हैदराबाद ।

अग्रणी वैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक ने कोविड-19 के नोवल चिम्प एडेनोवायरस, सिंगल डोज इंट्रानेजल वैक्सीन के लिए बुधवार को सेंट लुइस में वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के साथ लाइसेंसिंग समझौता होने की घोषणा की।

हैदराबाद स्थित कंपनी के पास अमेरिका, जापान और यूरोप को छोड़कर सभी बाजारों में वैक्सीन वितरित करने का अधिकार है। जहां एक ओर परीक्षण के पहले चरण का ट्रायल सेंट लुइस यूनिवर्सिटी की वैक्सीन एंड ट्रीटमेंट इवैल्यूएशन यूनिट में होगा, वहीं भारत बायोटेक आवश्यक विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, भारत में क्लिनिकल परीक्षणों के आगे के चरणों को आगे बढ़ाएगा और हैदराबाद के जीनोम वैली में स्थित जीएमपी सुविधा में वैक्सीन के बड़े पैमाने पर निर्माण का कार्य करेगा। भारत बायोटेक के अनुसार, इस इंट्रानेजल वैक्सीन ने चूहों पर अध्ययन में सुरक्षा के अभूतपूर्व स्तर को दिखाया है। प्रौद्योगिकी और डेटा को हाल ही में प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका सेल में और नेचर के एक संपादकीय में प्रकाशित किया गया है।भारत बायोटेक के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कृष्णा एला ने कहा, हमें इस इनोवेटिव वैक्सीन पर सहयोग करने पर गर्व है। हमें उम्मीद है कि हम इस वैक्सीन को 1 अरब डोज तक पहुंचा देंगे। एक इंट्रानेजल वैक्सीन न केवल एडमिनिस्टर करने में सरल है, बल्कि सुई, सीरिंज आदि जैसे चिकित्सा उपभोग्य सामग्रियों के उपयोग को कम करने के लिए भी सरल होगा। उन्होंने कहा कि एक प्रभावी नेजल डोज न केवल कोविड-19 से बचाएगा, बल्कि यह एक अन्य प्रकार की प्रतिरक्षा बनाकर रोग के प्रसार को भी रोकेगा।

किसानों के प्रदर्शन को लेकर राजधानी में चौकसी बढ़ी

नई दिल्ली ।

किसानों द्वारा कृषि विधेयकों के खिलाफ प्रदर्शनों को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस ने चौकसी बढ़ा दी है। दिल्ली सहित इसके सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा खुद जगह-जगह निगरानी रखी जा रही है। नई दिल्ली क्षेत्र में धारा 144 पहले ही लगाई जा चुकी है। नई दिल्ली के डीसीपी ईश सिंघल ने कहा, हमने जगह-जगह इंतजाम कर रखे हैं और उन लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 188 सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर रहे हैं, जो आदेशों का उल्लंघन करते हुए पाए जा रहे हैं। इससे पहले भी यहां की पुलिस ने दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के पहले दिए हुए एक आदेश का हवाला देते हुए कह चुकी है कि 30 सितंबर तक राष्ट्रीय राजधानी में कोई प्रदर्शन नहीं होने दिया जाएगा। रविवार को

राज्यसभा में कृषि संबंधी दो विधेयकों को विपक्ष की आपत्ति के बावजूद मंजूरी दिए जाने के बाद कई विपक्षी दलों व कृषि संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

फेसबुक के खिलाफ दिल्ली विधानसभा की कमेटी ने की सुनवाई

नयी दिल्ली।

दिल्ली विधानसभा की शांति एवं सद्भाव कमेटी ने मंगलवार को फेसबुक के अधिकारियों के खिलाफ घृणा फैलाने वाले कंटेंट को जानबूझ कर नजरअंदाज करने से संबंधित आई शिकायतों को लेकर बैठक की। समिति के सामने तीन गवाहों ने उपस्थित होकर बयान दर्ज कराया। कमेटी के चेयरमैन राघव चड्ढा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान सामने आया कि फेसबुक के कुछ आला अधिकारी घृणा फैलाने वाले कंटेंट जानबूझ कर अपने प्लेटफार्म से नहीं हटा रहे हैं। राघव चड्ढा

ने कहा, फेसबुक के कुछ अधिकारियों के नाम कमेटी के सामने आए, जिसमें अंखी दास, शिवनाथ ठुकराल और अन्य आला अधिकारियों का जिक्र किया गया। और कहा गया कि फेसबुक पर जो आरोप लग रहे हैं, उन सारी चीजों की तह तक जाने के लिए फेसबुक के अधिकारियों को कमेटी के सामने उपस्थित होने के लिए अवश्य समन किया जाए। कार्रवाई में मंगलवार को मुख्य तौर पर तीन गवाह कमेटी के सामने आए, जिन्होंने अपना बयान दर्ज कराया। विधानसभा की समिति ने कहा, द वॉल स्ट्रीट जर्नल में 14 अगस्त को एक आर्टिकल छपा था, जिसमें कुछ इस प्रकार की चीजें सामने आई थीं, कि फेसबुक और खास करके हमारे देश में फेसबुक के आला अधिकारी घृणा फैलाने वाले कंटेंट जानबूझकर अपने प्लेटफार्म से नहीं हटा रहे हैं। उस आर्टिकल से संबंधित शिकायतें हमारी कमेटी के सामने आईं, तो कमेटी ने उसका संज्ञान लिया और उचित समझा कि इस विषय पर कार्रवाई की जाए, तफ्तीश की जाए और उसके बाद कमेटी आने वाले समय में निर्णय पर अवश्य पहुंचेगी। मंगलवार को कमेटी के सामने जो गवाह आए, उसमें डोमेन एक्सपर्ट थे, जिन्होंने डिजिटल कंटेंट, डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, साइबर फीडम, इंटरनेट फीडम और फेसबुक के ऊपर खास तौर पर खुद अध्ययन किया है। कमेटी को सुझाव देने के लिए उन्हें निमंत्रण दिया था। गवाहों ने कमेटी को बताया, ऐसा प्रतीत होता है कि फेसबुक एक तटस्थ मंच नहीं है। बहुत सारे ऐसे सबूत हैं, जो ये दिखाते हैं कि कंटेंट निष्पक्ष फेसबुक नहीं है। फेसबुक कुछ खास प्रकार के कंटेंट को ज्यादा महत्व ओर दृश्यता देता है और दूसरे प्रकार के कंटेंट को उतना बढ़ावा नहीं देता है। जो फेसबुक पर आरोप लगे थे, उन आरोपों का आधार है कि फेसबुक और राजनीतिक दलों के बीच में अपवित्र सांठगांठ है। मुख्य तौर पर जो आरोप लगा है, उसका एक आधार कमेटी के सामने रखा गया। एक खास प्रकार के कंटेंट जो राजनैतिक मकसदों की तरफदारी करता है, उसको प्रमोट किया जाता है और जो सवाल पूछता है, उस कंटेंट को ज्यादा दृश्यता नहीं दी जाती है। राघव चड्ढा ने कहा, दंगा भड़काने वाले, आपसी दुश्मनी पैदा करने वाले, सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाले कंटेंट के खिलाफ फेसबुक के सामुदायिक मानक हैं, जिनको लागू कर कार्रवाई करता है। अगर कोई घृणा फैलाने वाला भाषण है, तो फेसबुक उस कम्युनिटी स्टैंडर्ड को लागू करके उसे अपने प्लेटफार्म से निकाल देता है, उसको फेसबुक पर रहने नहीं दिया जाता है, लेकिन आज कमेटी के सामने ये भी रखा गया कि किस प्रकार से फेसबुक ने कुछ चीजों पर बहुत जल्द एक्शन लिया और कुछ चीजों को कई शिकायतों के बाद भी नहीं हटाया गया।

पीएम मोदी ने पूरी की जम्मू-कश्मीर के लोगों की 70 वर्षो से अनसुनी मांग, भाषा विधेयक को मिली मंजूरी : नड्डा

नई दिल्ली। राज्यसभा से भी जम्मू-कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक पास होने पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खुशी जताई है। उन्होंने इसे जम्मू-कश्मीर के लोगों की 70 वर्षो से अनसुनी मांग पूरी होना बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक-2020 के राज्यसभा में पारित होने पर मैं जम्मू-कश्मीर के बहनों-भाइयों को हार्दिक बधाई देता हूं। 70 वर्षो से अनसुनी प्रदेश वासियों की इस मांग को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से अभिनंदन करता हूं।' भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि इस ऐतिहासिक विधेयक के पारित होने से कश्मीरी, डोंगरी, उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी को अधिकारिक भाषाओं का दर्जा प्राप्त होगा। यह जम्मू कश्मीर की क्षेत्रीय भाषाओं के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर के सांस्कृतिक संरक्षण एवं विकास के लिए कृत संकल्पित है।

विपक्ष के नेताओं ने की राष्ट्रपति से मुलाकात, कृषि विधेयकों को वापस करने का किया अनुरोध

नई दिल्ली: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने बुधवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात के बाद कहा कि संसद में कृषि संबंधी विधेयकों को 'असंवैधानिक' तरीके से पारित किया गया है इसलिए राष्ट्रपति को इन विधेयकों को संतुति नहीं देकर इनको वापस भेजना चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि रविवार को राज्यसभा में हंगामे के लिए विपक्ष नहीं बल्कि सरकार जिम्मेदार है। आजाद ने कई विपक्षी नेताओं की मौजूदगी में संवाददाताओं से कहा, ''सोमवार को करीब 18 दलों के नेताओं ने सहमति जताई थी कि राष्ट्रपति से मिलकर उन्हें इससे अवगत कराया जाए कि किस तरह तरह से राज्यसभा में किसानों से संबंधित विधेयक पारित कराया गया।'' उनके मुताबिक, किसानों से संबंधित विधेयकों को सब लोगों से बातचीत करने के बाद लाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों और किसानों के नेताओं से बातचीत करके ऐसा कानून लाना चाहिए था । ऐसा करने से किसान खुश होता। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से सरकार ने इन विधेयकों को स्थायी समिति और प्रवर समिति के पास नहीं भेजा। अगर भेजा होता तो बेहतर होता।'' आजाद ने दावा किया, ''सदन में हंगामे के लिए विपक्ष जिम्मेदार नहीं है। सरकार जिम्मेदार है। किसी तरह का मतदान नहीं हुआ। संविधान, नियम और कानूनों की धज्जियां उड़ाई गईं।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''हमने राष्ट्रपति से आग्रह किया है कि ये विधेयक सलीके से पारित नहीं हुआ है, यह असंवैधानिक है। इस विधेयक को वापस भेज दें ताकि इस पर दोबारा चर्चा हो और मतदान हो। मैंने यह भी कहा कि वह इन विधेयकों को संतुति नहीं दें।''

प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना के खिलाफ टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट फॉर्मूले पर दिया जोर

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड 19 से सर्वाधिक प्रभावित सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा बैठक की। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, दिल्ली और पंजाब में कोरोना के कुल 65.5 प्रतिशत मामले हैं। इन्हीं 7 राज्यों में 77 फीसदी मौतें हुई हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कोरोना से निपटने के नए उपायों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान कोरोना की रोकथाम के कई फॉर्मूले बताए। उन्होंने कहा कि प्रभावी टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट, सर्विलांस और स्पष्ट मैसेजिंग, इसी पर हमें अपना फोकस और बढ़ाना होगा। प्रभावी मैसेजिंग इसलिए भी जरूरी है क्योंकि ज्यादातर संक्रमण बिना लक्षण का है। ऐसे में अफवाहें उड़ने लगती हैं। सामान्य जन के मन में ये संदेह उठने लगता है कि कहीं टेस्टिंग तो खराब नहीं है। यही नहीं कई बार कुछ लोग संक्रमण की गंभीरता को कम आंकने की गलती भी करने लगते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते महीनों में कोरोना इलाज से जुड़ी जिन सुविधाओं का विकास किया है, वो हमें कोरोना से मुकाबले में बहुत मदद कर रही हैं। अब हमें कोरोना से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को तो मजबूत करना है, जो हमारा हेल्थ से जुड़ा, ट्रैकिंग-ट्रेसिंग से जुड़ा नेटवर्क है, उनकी बेहतर ट्रेनिंग भी करनी है। प्रधानमंत्री ने कहा, जो 1-2 दिन के लोकल लॉकडाउन होते हैं, वो कोरोना को रोकने में कितना प्रभावी हैं, हर राज्य को इसका अवलोकन करना चाहिए। कहीं ऐसा तो नहीं कि इस वजह से आपके राज्य में आर्थिक गतिविधियां शुरू होने में दिक्कत हो रही हैं? मेरा आग्रह है कि सभी राज्य

इस बारे में गंभीरता से सोचें।

LS की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

कृषि विधेयक, श्रम कानून समेत कई महत्वपूर्ण बिल हुए पास

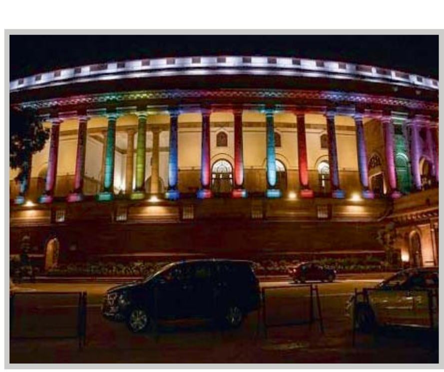

नई दिल्ली:

17वीं लोकसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न असाधारण स्थिति के मद्देनजर बुधवार को निर्धारित अवधि से पहले ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी। मानसून सत्र के दौरान लोकसभा की कार्य उत्पादकता 167 प्रतिशत रही, जो अन्य सत्रों की तुलना से अधिक है। देश के संसदीय इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि सांसद ने संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) और इनकी दीर्घाओं में बैठे। मानसून सत्र 14 सितंबर 2020 आयोजित हुआ, इस सत्र में 10 बैठकें आयोजित की गईं। मानसून सत्र शनिवार और रविवार को बिना अवकाश के भी चलता रहा। मानसून सत्र में 37 घंटे की तुलना में 60 घंटे की कार्यवाही संपन्न हुई। इस सत्र में महत्वपूर्ण विधायी और अन्य कामों का निपटान हुआ। सत्र के दौरान 68 प्रतिशत में विधायी कार्य किए गए, बाकी 32 प्रतिशत में गैर विधायी कार्य किए गए। मानसून सत्र में वर्ष 2020-21 की अनुदान अनुपूरक मांगों का पहला बैच और 2016-17 के लिए अतिरिक्त अनुदानों की मांग पर चर्चा 4 घंटे 38 मिनट चली। इसके बाद विनियोग विधेयक पारित किए गए। वर्तमान सत्र के दौरान 16 सरकारी विधेयक पुरुस्थापित गिए गए। 10 बैठकों में 25 विधेयक पारित हुए, इन सभी विधेयक पर चर्चा भी हुई। इस सत्र में पारित हुए कुछ महत्वपूर्ण विधेयक थे। जैसे, आवश्यक वस्तु संशोधन विधेयक 2020, कृषक उपज व्यापार वाणिज्य संबर्धन और सरलीकरण विधेयक 2020, कृषक सशक्तीकरण और संरक्षण कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक 2020, उपजीविका जन्य सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य दशा संहिता 2020, औद्योगिक समन संहिता 2020 और सामाजिक संहिता 2020। मानसूत्र सत्र में 2300 अतारांकित प्रश्नों के उत्तर दिए गए। इस सत्र में शून्यकाल में 370 लोक महत्व के मामले उठाए। 20 सितंबर 2020 को 88 सांसदों ने लोक महत्व के विषय उठाए। 15वीं लोकसभा के मुकाबले 17वीं लोकसभा में अधिक प्रश्नों के उत्तर मंत्रालयों द्वारा दिए गए। मानसून सत्र में मंत्रियों द्वारा 40 वकतव्य दिए गए। इसमें कोविड 19 महामारी, कृषि क्षेत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य और लद्दाख सीमा के पास घटित हो रहे घटना पर भी जवाब दिया गया।

वाराणसी की शिवांगी सिंह बनीं देश की शान, राफेल की बनीं पहली महिला पायलट

लखनऊ।

देश के सबसे ताकतवर फाइटर विमान राफेल के स्क्वाड्रन गोल्डन एरो में इकलौती और पहली महिला फ्लाइट लैफ्टिनेंट वाराणसी की शिवांगी सिंह शामिल हुई हैं। बिटिया की सफलता पर न केवल घरवालों, बल्कि पूरे शहर को नाज है। वाराणसी के फुलवरिया स्थित शिवांगी के घर पर पड़ोस के बच्चे जुटे और परिवार के साथ खुशियां मनाई। टूर एंड ट्रैवेल का काम करने वाले पिता कुमारेश्वर सिंह की बड़ी बेटी ने साल 2017 में भी इतिहास रचा, जब वह वायु सेना में फाइटर विमान उड़ाने वाली 5 महिला पायलटों में एक शिवांगी सिंह शामिल थीं। अब तीसरे साल ही उन्होंने अपने जज्बे और मेहनत से एक और उपलब्धि हासिल की और राफेल के स्क्वाड्रन गोल्डन एरो में शामिल हुईं। एक महीने के तकनीकी प्रशिक्षण में क्वालीफाई करने के बाद अब वह राफेल की टीम का हिस्सा बन गई हैं। घर पर मां सीमा सिंह, भाई मयंक, बड़े पिता राजेश्वर सिंह, चचेरे भाई शुभांशु, हिमांशु आदि ने शिवांगी सिंह को शुभकामनाएं दी।

मनाली-लेह मार्ग को 12 महीने खुला रखने की कवायद तेज, राजनाथ करेंगे स्टील ब्रिज का उद्घाटन

नई दिल्ली/कुल्लू:

चीन से तनातनी के बीच सामरिक महत्व की अटल टनल रोहतांग के लोकार्पण से करीब एक सप्ताह पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को हिमाचल के सबसे लंबे 360 मीटर दारचा पुल (स्टील ब्रिज) का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। रक्षा मंत्री इस दौरान देशभर के 43 पुलों और एक सुरंग का शिलान्यास भी करेंगे। वहीं, अटल टनल भी 3 अक्तूबर को देश को समर्पित कर दी जाएगी। इसके लोकार्पण के लिए खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने का कार्यक्रम है। तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर आज और कल मनाली में ही रहेंगे।

प्रदेश के सबसे लंबे स्टील ब्रिज का उद्घाटन करेंगे राजनाथ सिंह

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह वीरवार को मनाली-लेह मार्ग पर दारचा में बने प्रदेश के सबसे लंबे 360 मीटर स्टील ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। यह ब्रिज उत्तरी भारत का दूसरा और हिमाचल का पहला सबसे लंबा स्टील ट्रस्ट ब्रिज है। मनाली से सटे पलचान पुल का भी राजनाथ सिंह शुभारंभ करेंगे। 38 बीआरटीएफ के कमांडर उमा शंकर ने कहा कि स्टील ब्रिज से अब सेना के वाहन मनाली-लाहौल-लेह-लद्दाख के बीच बिना किसी गतिरोध के आ-जा सकेंगे। मंत्री डॉ. राम लाल मारकंडा ने कहा कि इससे न केवल सेना बल्कि स्थानीय लोगों और सैलानियों को भी लाभ होगा।

अटल टनल रोहतांग से बस का ट्रायल सफल

लोकार्पण से पहले मंगलवार को अटल टनल रोहतांग में एचआरटीसी बस का ट्रायल किया गया। कुल्लू से सिस्सू और सिस्सू से कुल्लू के लिए भेजी गई बस ने सफलतापूर्वक सफर तय किया है। नौ किलोमीटर लंबी टनल का सफर बस ने 15 मिनट में तय किया। ट्रायल के दौरान एसडीएम रमन घरसंगी, आरएम केलांग मंगल चंद मनेपा, लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता अनूप शर्मा आदि मौजूद रहे।

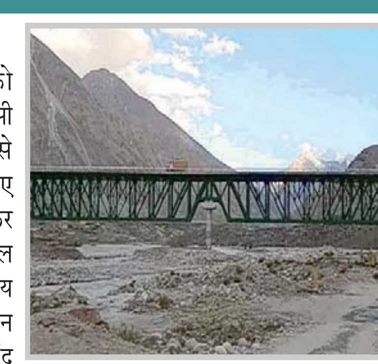

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अप्रिय राजनीति

राज्यसभा में रविवार को उपजा गतिरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिन आठ सांसदों को राज्यसभा से सप्ताह भर के लिए निलंबित किया गया है, उनके पक्ष में आधे से ज्यादा विपक्ष एकजुट हो गया है। विपक्ष की प्रमुख तीन मांगों में से सबसे बड़ी मांग यह है कि सांसदों का निलंबन वापस लिया जाए। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष ने साफ कर दिया है कि निलंबन तभी वापस होगा, जब निलंबित सांसद माफी मांगेंगे। दोनों पक्षों का भाव स्पष्ट है, दोनों में से कोई झुकने को तैयार नहीं है। सत्र जारी है, लेकिन ज्यादातर विपक्ष बहिष्कार पर अड़ा है। क्या किसी संसद को ऐसे ही चलना चाहिए? संसद भवन के प्रांगण में धरने पर बैठे विपक्षी सांसदों के लिए जब उप-सभापति हरिवंश सुबह चाय लेकर पहुंचे, तब भी बात नहीं बनी। एक तरह से साबित हो गया, भारतीय राजनीति में परस्पर विरोध चाय की व्यावहारिकता से ज्यादा मायने रखता है। हमारे राजनेता जब टकराव पर उतरते हैं, तो शायद नहीं सोचते कि देश में क्या संदेश जा रहा है। क्या भारतीय राजनीति में आज इतनी शालीनता है कि वह किन्हीं उपवासों का मान रख सके? पिछले संसद सत्रों की तारीफ होने लगी थी, लेकिन वर्तमान मानसून सत्र पुरानी भलमनसाहत को किनारे रखकर चलने लगा है। इस बार राजनेताओं के बीच पनपा गतिरोध कहां रुकेगा, शायद वही बता सकते हैं। निलंबन वापसी की मांग के अलावा विपक्ष की दो अन्य मांगों पर भी गौर करना चाहिए। दूसरी मांग है, एक ऐसा कानून बने, ताकि कोई भी निजी खरीदार या कंपनी किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर अनाज या उपज न ले सके। यह मांग तार्किक भी है और किसानों के, देश के हित में भी। किसानों के पक्ष में सोचने वाली कोई भी सरकार कभी नहीं चाहेगी कि एमएसपी से कम कीमत पर किसानों से कोई खरीद हो। तीसरी मांग है, सरकार या फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यह सुनिश्चित करे कि किसी भी किसान से एमएसपी से कम कीमत पर अनाज की खरीद न हो। इससे जुड़ी हुई ही एक और अच्छी मांग है, एमएस स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों के अनुसार ही न्यूनतम समर्थन मूल्य तय हो। भारत जैसे देश में केंद्र सरकार या कोई भी सरकार कभी यह नहीं चाहेगी कि किसानों के विरोध में कोई फैसला हो। अगर कंपनियों के हित में किसानों का कोई अहित किया जाता है, तो उसकी कीमत चुनाव में चुकानी पड़ सकती है। यह सहज बात किसी भी राजनीतिक दलों को अलग से बताने की जरूरत कतई नहीं होगी। किसान भारत में किसी भी अन्य देश की तुलना में ज्यादा संवेदनशील और सशक्त है। किसानों के संगठन भी सशक्त हैं, पर इनसे कौन कितनी चर्चा कर रहा है? भारत जैसे देश में निजी कंपनियों को भी रहने दिया जाए और ऐसे किसान भी होंगे, जो देश के किसी दूसरे कोने में जाकर अपना उत्पाद बेचना चाहेंगे, पर इसके साथ ही, मंडी और एमएसपी की मौलिक भारतीय व्यवस्था को भी मजबूत रखने की जरूरत है। केंद्र सरकार भी यह बार-बार दोहरा चुकी है कि मंडी और समर्थन मूल्य की व्यवस्था बनी रहेगी। ऐसे में, जो अविश्वास भारतीय राजनीति या किसान समाज में पैदा हो रहा है, उसे दूर करने की जिम्मेदारी सरकार पर ही ज्यादा है। तमाम किसान संगठनों के साथ मिलकर देश को आश्वस्त करने का समय है, ताकि किसानों के नाम पर शुरू हुई राजनीति का संतोषजनक पटाक्षेप हो।

आज के ट्वीट

उड़ता बॉलीवुड

उत्तर प्रदेश 'फ़िल्म सिटी' बनने के बाद पहली फ़िल्म 'ड्रग्स' पर बननी चाहिए, और वह फ़िल्म इन हरामखोरों 'नॉटी' नशेड़ियों पर आधारित होनी चाहिए, मतलब उस फिल्म का नाम 'उड़ता बॉलीवुड' होना चाहिए।

– अर्णव गोस्वामी

उम्मीदों की आंकड़ेबाजी से उपजी कोताही

दिनेश सी शर्मा

कोविड-19 वैश्विक महामारी को फैले अब 6 महीने हो चुके हैं। भारत में तस्दीकशुदा 55 लाख मामले दर्ज हुए हैं और सक्रिय केसों की गिनती 10 लाख को छू गई है। इससे वैश्विक सूची में भारत दूसरा सबसे ज्यादा प्रभावित मुल्क बन गया है। मौतों के आंकड़ों के मुताबिक भारत का स्थान तीसरा है। देश में वायरस के फैलाव को रोकने और स्वास्थ्य तंत्र को तैयार करने के मकसद से लॉकडाउन लगाना पड़ा था। संक्रमण-कड़ी तोड़ने के लिए लोगों को व्यावहारिक रूप से मास्क पहनने, शारीरिक दूरी बनाने और हाथों को लगातार धोते रहने के निर्देश दिए गए हैं। पिछले कुछ हफ्तों में हमने देखा है कि आर्थिक, व्यापारिक, हवाई यात्रा, रेल एवं जन-परिवहन समेत अन्य गतिविधियां फिर से शुरू करने को धीरे-धीरे लॉकडाउन में ढील दी गई है। संक्रमण की रोकथाम में सबसे कारगर मुख्य हथियार मास्क और हाथों को धोना ही है। जैसे-जैसे आर्थिक गतिविधियां पुनः शुरू हो गई हैं और लॉकडाउन की बंदिशों को उठाया जा रहा है तो हमें सड़कों, पार्कों और अन्य सार्वजनिक जगहों पर फिर से बड़ी संख्या में लोग दिखाई दे रहे हैं लेकिन उनमें काफी ऐसे भी हैं जो सही ढंग से मास्क नहीं पहनते। दिल्ली में पिछले तीन महीनों में पुलिस ने दिशा-निर्देश का पालन न करने वाले 2.6 लाख लोगों को जुर्माना लगाया है, इनमें अकेले मास्क न पहनने वालों की संख्या 2.3 लाख थी। अन्य शहरों में भी मास्क न पहनने वालों की खासी सूचनाएं हैं। लोग बैंक कांउटरों, दुकानों और सड़क किनारे खोखों पर पहले की भांति साथ-साथ खड़े होकर जमावड़ा बना रहे हैं। यह दृश्यावली लॉकडाउन के आरंभिक हफ्तों में बने अनुशासन से भिन्न है जब लोग सतर्क होकर स्वतः स्फूर्त पालन कर रहे थे। यह लक्षण है 'व्यवहार बदलाव करने में आई उदासीनता' का या इसे 'पालन-अरुचि' भी कह सकते हैं। आसान शब्दों में कहें तो 'व्यवहार बदलने में आई उदासीनता' बताती है कि लोगबाग नए आदेशों का पालन करने में थकने लगे हैं। आखिरकार घर से बाहर हमेशा अपना मुंह ढांपकर रखना या फिर दोस्तों से हाथ न मिलाने की आदत डालना इतना आसान भी नहीं है। चूंकि इस किस्म से लादे गए बदलाव स्थाई नहीं हो सकते, इसीलिए पुराने ढर्रे पर लौट आए लोग देखने को मिल रहे हैं। 'पालन-अरुचि' का अन्य कारण बदलावों को लेकर बनी अनिश्चितता है। यह दो स्तरों पर है-एक, यह सब कब तक चलेगा, जो आगे वैश्विक महामारी की मियाद को लेकर बनी असमंजसता से जुड़ा है, दूसरा स्तर है, मुंह को ढांपकर रखना और हाथ धोते रहने का उपाय वास्तव में है कितना प्रभावी? मानवीय स्वभाव और इसमें बदलाव, किसी खास विषय को लेकर बनी धारणा से संचालित होता है, मौजूदा मामले में यह वैश्विक महामारी की वजह से बनी मानसिकता है। धारणा आगे विभिन्न स्रोतों के जरिए लोगों को मिली जानकारी से आकृति लेती है-मसलन सरकार, मीडिया, मित्रमंडली इत्यादि से प्राप्त सूचनाएं। अगर लोगों को लगता है कि नवीन कोरोना वायरस एक सहन करने योग्य जोखिम है तो वे अपने पुराने व्यवहार पर वापस लौट जाएंगे। अगर कोई व्यक्ति सार्वजनिक जगह पर मास्क नहीं पहनता है तो इसका मतलब है कि उसे यकीन है कि न तो खुद को कोई खतरा है और न ही वह दूसरों के लिए खतरनाक है। उसकी यह धारणा कुछेक स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित हो सकती है। मसलन टेलीविजन, व्हाट्सऐप जैसे सोशल मीडिया मंच, अखबारी खबरें या यूट्यूब अथवा सबको मिलाजुलाकर बनी कच्ची-पक्की जानकारी। इसीलिए कोविड-19 से संबंधित प्रमाणित सूचनाएं और खबरें, सावधानियां, उपचार के तरीके, रोकथाम इत्यादि की जानकारी बहुत महत्व रखती है। इस तरह इकट्ठी हुई सूचनाओं पर यकीन कर लोगबाग खुद को संक्रमण होने की संभावना का गुणा-भाग स्वयं करने लगते हैं और अपना व्यवहार उस मुताबिक ढाल लेते हैं। यही समस्या की जड़ है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, आईसीएमआर और अन्य आधिकारिक एजेंसियों द्वारा जारी विज्ञप्तियां लगातार भारत पर वैश्विक महामारी से हुए वास्तविक असर को घटाकर पेश रहे हैं, गढ़कर बनाए और 'मन को झूठी तसल्ली' देने वाले आंकड़ों पर बेजा जोर दिया जा रहा है और यह काम निरंतर हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता ने निम्न बिंदुओं पर जोर देते हुए कहा : 'अभी तक देश में 5 करोड़ से ज्यादा कोविड टेस्ट किए गए हैं, 44 लाख मरीज ठीक हुए हैं, मृत्यु दर लगातार घट रही है जो वैश्विक दर 3.28% के मुकाबले 1.6% है।' यह दावा उस दिन किया गया जब भारत दुनिया में संक्रमित लोगों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचा था। उसके बाद से हर दिन नए मामले नाटकीय ढंग से बढ़ते जा रहे हैं। मंत्रालय ने यह भी जोरशोर से बताया था कि भारत में प्रति दस लाख पर मृत्यु दर केवल 53 है जो वैश्विक स्तर पर 115 मौतें प्रति दस लाख वाले अनुपात से कहीं कम है। यह भी कहा कि प्रति दस लाख व्यक्तियों पर दर्ज हुए 3102 केस दर के साथ विश्वभर में सबसे कम गिनती वालों में एक है। इसके अलावा भारत के 14 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश ऐसे हैं जहां सक्रिय मामले 5000 से कम हैं। चूंकि मंत्रालय की प्रेस वार्ता का टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर सीधा प्रसारण किया जाता है, इसलिए लोगों तक जानकारियां सीधे पहुंच जाती हैं। अब आम लोग गहन तकनीकी शब्दावली मसलन सीएफआर या प्रति व्यक्ति अनुपात को क्या जानें। लेकिन उन तक मोटा-मोटा संदेश पहुंच जाता है : 'भारत अन्य देशों के मुकाबले काफी बेहतर कर रहा है', इसे आधार बनाकर वे अपना व्यवहार उसके मुताबिक करने लगते हैं। ठीक हुए लोगों की गिनती, टेस्ट संख्या और मृत्यु दर बताकर 'मन को तसल्ली' देने वाले आंकड़ों से की जाने वाली आधिकारिक जादूगरी के अलावा सोशल मीडिया के जरिए लोगों में यह संदेश प्रसारित किया जाता है कि कोविड-19 की वैक्सीन (रोगप्रतिरोधक दवा) बस आने वाली है। मौजूदा समय में विश्वभर में प्रतिरोधक दवा बनाने के 200 से ज्यादा यत्न चल रहे हैं। उनमें प्रत्येक को मिली मामूली सी सफलता को भी बढ़ा-चढ़ाकर प्रचारित किया जा रहा है, यह सब किसी दवा को विकसित करने से जुड़े अन्य पहलुओं जैसे कि क्लिनिकल टेस्टिंग, व्यावसायिक उत्पादन क्षमता, वितरण, टीकाकरण व्यवस्था और बाद में क्या करना होगा इत्यादि पर विचार किए बिना किया जा रहा है। खबरिया चैनल यूं प्रचारित रहे हैं मानो प्रतिरोधात्मक दवा बनना ही महामारी से निपटने का एकमात्र निदान है। इस किस्म की गलत अवधारणा और मन को तसल्ली देने की खातिर सरकारी एजेंसियों द्वारा की गई घोषणाएं न केवल नयी किस्म की व्यवहार संबंधी महामारी पैदा कर रही हैं बल्कि पालन-अरुचि भी पैदा कर रही हैं। हमें इन हरकतों को बूझने की जरूरत है और कोविड-19 उन्मूलन की बाबत आने वाली सूचनाएं, रणनीति और संदेशों को पहले सत्यापन के बाद ही मानने की सख्त जरूरत है। इससे जानें बचाई जा सकती हैं।

लेखक स्वास्थ्य संबंधी विषयों के टिप्पणीकार हैं।

ज्ञान गंगा

मृत्यु

सद्गुरु

जीवन के बहुत से पहलू हैं। उसमें जन्म है, बचपन है, जवानी है और बुढ़ापा भी। उसमें प्रेम, कोमलता, मिठास और कड़वाहट भी है। सफलता की खुशी है, कुछ पाने का संतोष है, दर्द भी है और आनंद भी। अगर आपने अपने मन को बोध के एक ठीक स्तर पर रखा है तो ये सब बातें आपकी समझ में आ सकती हैं। पर जीवन को समझाने वाला जो सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है -मृत्यु, वो किसी भी मन की पकड़ के बाहर है-चाहे आप अपने आपको कितना ही बुद्धिमान, होशियार या बड़ा बुद्धिजीवी मानते हों। चूंकि हम मरणशील हैं, मरने वाले हैं, इसीलिए जीवन उस तरह से चल रहा है जैसे वो चल रहा है। अगर हम मरने वाले नहीं होते तो न कोई बचपन होता, न जवानी और न बुढ़ापा। तब हम ये सवाल भी ना उठा पाते कि जन्म क्या होता है? मृत्यु, जीवन का आधार है। अगर आप मृत्यु को नहीं समझते तो अभी जीवन को नहीं जान सकेंगे, न ही उसे संभाल पाएंगे क्योंकि जीवन और मृत्यु सांस लेने और छोड़ने की तरह हैं। वे बिना अलग हुए, साथ साथ रहते हैं। आध्यात्मिक प्रक्रिया तभी शुरू होती है जब आप मृत्यु का सामना करते हैं-या तो खुद की या फिर किसी ऐसे व्यक्ति की जो आपको प्रिय है और जिसके बिना जीने की बात आप नहीं सोच सकते। जब मृत्यु आ रही हो, या हो गई हो तब ही अधिकतर लोगों के मन में ये सवाल आता है, 'ये सब क्या है, और इसके बाद क्या होगा'? जब तक केवल जीवन ही सत्य लगता है तब तक आपको यह विश्वास नहीं होता कि ये बस ऐसे ही खत्म होने वाला है। जब मृत्यु पास आ जाती है तभी मन ये सोचना शुरू करता है कि कुछ और भी है, जो इससे ज्यादा है। पर मन चाहे कितना भी सोच ले, ये वास्तव में जानता कुछ नहीं है क्योंकि मन सिर्फ उसी डेटा के आधार पर काम करता है जो वो पहले से इकट्ठा कर चुका है। मन का मृत्यु के साथ कोई वास्ता नहीं पड़ा है तो वो मृत्यु के बारे में नहीं जानता, क्योंकि इसके पास उसके बारे में कोई आधारभूत जानकारी नहीं है- सिर्फ कुछ गप्पबाजी है। आपने ऐसी गप्पें सुनी होंगी कि कैसे जब आप मर जाएंगे तो आप जा कर भगवान की गोद में बैठेंगे। अगर ऐसा है तो आपको आज ही मर जाना चाहिए। अगर आपको ऐसा विशेष अधिकार मिलने वाला हो तो पता नहीं आप इसे टाल क्यों रहे हैं?

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

कर्क संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

बलिदानों के स्वर्णिम इतिहास का साक्षी हरियाणा

मोहन मैत्रेय

एक राज्य के रूप में एक नवंबर, 1966 को अस्तित्व में आने वाले हरियाणा का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। यह धर्म भूमि एवं वीर भूमि है। यहां के निवासियों ने जीवनयापन के लिए हल का हत्था पकड़े रखा तो देश-रक्षा हेतु हाथ में तलवार भी थामे रखी। इतिहास साक्षी है कि हरियाणावासियों ने वीरता को सदियों तक चरितार्थ किया। यहां के अहीर, जाट, राजपूत सेना में अपना शौर्य निरंतर दिखाते आये हैं। यहां के मुसलमान नवाबों ने ब्रिटिश सरकार से लोहा लिया। नेताजी सुभाष बोस की आजाद हिंद फौज में हरियाणा के काफी सैनिक थे तो महिलाएं भी। जब गुरु तेगबहादुर की शहीदी हुई तो नारनौल की गौसाईं सेना ने मुगल सम्राट औरंगजेब के नाक में दम कर दिया। इतिहासकारों ने हरियाणा को वैदिक सभ्यता का 'पालना' स्वीकार किया है। जिन प्रतापी नरेशों ने इसे पल्लवित-पोषित किया, इनमें सर्वप्रथम भरतों का उल्लेख मिलता है। भरतों का स्थान फिर पुरुओं ने लिया। ये अधिक दिन टिक नहीं पाये, पांचालों से पराजित हुए। कुछ समय उपरांत परिवर्तित स्थिति में पुरु तथा कुरुजनों की सम्मिलित सेनाओं ने पांचालों को खदेड़ दिया। इन जनों का नेता कुरु सैनिक रूप में कर्मठ नायक, राजनीति का प्रकाण्ड पंडित तथा आर्थिक मामलों का विशेषज्ञ था। इसने राज्य की सीमाओं का विस्तार किया और इसी के नाम पर क्षेत्र का नामकरण कुरुक्षेत्र हुआ। चौथी शती में चंद्रगुप्त मौर्य ने समस्त क्षेत्र को अपने अधीन कर लिया। चौथी शती में मगध राजवंशीय शासक समुद्र गुप्त ने अपने राज्य में इस क्षेत्र का विलय कर लिया। छठी शती के आरंभ तक यह स्थिति बनी रही। 606 ई. में सिंहासनारूढ़ हर्षवर्धन ने एक विशाल राज्य की स्थापना की। मौर्य साम्राज्य के विघटन के पश्चात विदेशी आक्रमणकारियों ने उत्तर भारत में तूफान खड़ा कर दिया। जब समरकंद के शासक तैमूर ने 1398 में अढ़ाई लाख सैनिकों के साथ भारत पर आक्रमण किया तो सर्वखाप पंचायत के नेतृत्व में अस्सी हजार पुरुषों तथा चालीस हजार वीरांगनाओं ने उसे चुनौती देकर जोगराज के नेतृत्व में उसके पचहतर हजार सैनिकों का संहार कर दिया। 1191 में शहाबुद्दीन गौरी के साथ तरावड़ी में हुए सम्राट पृथ्वीराज के युद्ध में हरियाणा के तत्कालीन गवर्नर गोविन्दराय ने बल्लम के प्रबल प्रहार से गौरी के दांत तोड़ डाले। 22 युद्धों के विजेता और शरीर पर अनेक घाव खाये हेमू की शौर्य गाथा अपनी मिसाल है। रेवाड़ी में जन्मे हेमू ने तराजू फेंक, तलवार संभाल, पचास हजार घुड़सवारों एक हजार हाथियों, 50 बड़ी तोपों, पांच सौ छोटी तोपों से सुसज्जित सेना के सहयोग से 6 अक्तूबर, 1956 को दिल्ली पर विजय प्राप्त की और विक्रमादित्य की उपाधि धारण कर सिंहासनारूढ़ हुआ। 5 नवंबर, 1556 को जब पानीपत के मैदान में हेमू का मुगल सेना से युद्ध हुआ तो दुर्भाग्य से शत्रु का एक तीर उसकी आंख में लगा और वह अचेत हो गया। उसकी सेना भाग खड़ी हुई। मुगल बादशाह अकबर ने बेहोश वीर हेमू की गर्दन काट डाली। मुगल सेना से लोहा लेने वाले हसन खां मेव का योगदान भी अत्यंत सराहनीय था। मेरठ छावनी में जब विद्रोह की ज्वाला भड़की तो 9 मई, 1857 को सैनिकों का कोर्टमार्शल करके कैद की सजा दी गई। यह समाचार जब अम्बाला छावनी पहुंचा तो सैनिकों ने छावनी के गोला-बारूद पर अधिकार करके अफसरों को बंदी बना लिया। थानेसर में पांचवीं इन्फेंट्री ने विद्रोह किया। नूह तथा होडल पर विद्रोहियों का अधिकार हो गया। बहादुर शाह जफर के विश्वस्त हफज्जल खां के नेतृत्व में रोहतक में विद्रोह हुआ। बहादुर शाह जफर की सहायता करने पर हांसी के कानूनगो लाला हुक्मचंद तथा मिर्जा मुनीर बेग को फांसी दी गई। हांसी में क्रांतिकारियों को पत्थर की शिरड़ी के नीचे रौंदा गया। उदमीराम (लिवासपुर) को अंग्रेजों के कत्लेआम की सजा मिली। अमर सेनानी राव किशन गोपाल ने मेरठ में कोतवाल की नौकरी ठुकरा कर अपने भाई राव राजा तुलाराम के साथ नये आयाम दिये। नसीबपुर के संघर्ष में इन्हें वीरगति प्राप्त हुई। महम के नवाब को फांसी पर लटका दिया गया। वहां का चबूतरा शहीदों का स्मारक है। झज्जर के नवाब अब्दुर्रहमान खां, फरूखनगर के नवाब अहमद अली गुलाम खां, बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह ने बहादुर शाह जफर को सहयोग दिया। झज्जर के नवाब को 23 दिसंबर, 1857 को लालकिले के सामने फांसी पर लटकाया गया। फरूखनगर के नवाब को 23 जनवरी 1858 को चांदनी चौक में सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई। राजा नाहर सिंह को अंग्रेजों ने धोखे से बल्लभगढ़ से दिल्ली बुलाया। 9 फरवरी, 1858 को दिल्ली के चांदनी चौक में इस नर-नाहर को सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी गई। उसके अंतिम शब्द थे-- 'दीपक बुझ न जाये।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देहरादून हवाई अड्डे के उन्नयन का पहला चरण अगले महीने तक हो सकता है पूरा

मुंबई: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने बुधवार को कहा कि उसके द्वारा संचालित देहरादून हवाई अड्डे के उन्नयन का पहला चरण अगले महीने तक पूरा होने की उम्मीद है, जिसमें एक नए घरेलू टर्मिनल भवन का निर्माण शामिल है। एएआई की विज्ञप्ति के अनुसार हवाई अड्डे की अधिकतम यात्री क्षमता को आठ गुनाकर एक वक्त में 1,800 यात्री तक करने के लिए वह 353 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। एएआई ने कहा कि पहले चरण के विकास कार्यों में टर्मिनल भवन के निर्माण के साथ उपयोगिता ब्लॉक, कार पार्किंग, सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र, वर्षा जल संचयन संरचना और अन्य सहायक सुविधाओं का विकास शामिल है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पहले चरण का लगभग 80 फीसदी विकास कार्य पूरा हो चुका है और अक्टूबर तक परियोजना के तैयार होने की उम्मीद है।

Amazon ग्राहकों को Jio पोस्टपेड प्लस प्लांस पर एक साल की फ्री प्राईम सदस्यता

बेंगलुरु- उपभोक्ताओं की विशिष्ट खरीदारी और मनोरंजन जरूरतों को ध्यान रखते हुएमें अमेजन और जियो ने बुधवार को भागीदारी की घोषणा की जिससे जियो पोस्टपेड प्लस उपयोगकर्ता अतिरिक्त खर्च किये बिना अमेजन प्राइम का लाभ उठा सकेंगे। अमेजन ने कहा जिन उपभोक्सताओं ने हाल ही में लॉन्च जियो पोस्टपेड प्लस प्लान को खरीदा है, उन्हें बिना किसी अतिरिक्सत शुल्क के एक साल के लिए अमेजन प्राइम सदस्यता (999 रुपए मूल्य की) उपलब्सध कराई जाएगी। इसके बाद वे उपलब्ध अमेजन प्राइम प्लांस को अपग्रेड कर सकते हैं। जियो पोस्टपेड प्लस प्लांस 399 रुपए की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध हैं और इसमें कई लाभ दिए जा रहे हैं। मौजूदा जियो पोस्सटपेड उपभोक्ता नए प्लांस में अपग्रेड कर सकते हैं और अमेजन प्राइम मेंबरशिप बेनेफिट्स का लुत्फ उठा सकते हैं। अमेजन प्राइम अपने सदस्सयों को कई फायदे की पेशकश करता है, जिसमें असीमित फ्री शिपिंग, प्राइम वीडियो के साथ अवार्ड-विनिंग मूवीज और टीवी शोज के लिए असीमित पहुंच, प्राइम म्यूजिक के साथ एड-फ्री 06 करोड़ गानों तक अनलिमिटेड एक्ससेस, प्राइम रीडिंग के साथ 1000 से अधिक पुस्तकें, मैग्सजींस और कॉमिक्स का फ्री रोटेसटिंग चयन, गेमिंग विथ प्राइम के साथ फ्री इन-गेम कंटेंट और बेनेफिट्स का एक्सेस, नए प्रोडक्ट लॉन्च, आकर्षक डील्स के लिए अर्ली एक्सेस आदि शामिल हैं। इस भागीदारी पर अक्षय साही, निदेशक प्राइम, अमेजन इंडिया ने कहा, इस विशिष्ट भागीदारी के साथ, हम जियो पोस्टपेड प्लस के विस्तृत यूजर्स नेटवर्क का लाभ उठाकर ग्राहकों के लिए प्राइम को और अधिक सुलभ बनाकर काफी उत्साहित हैं। वार्षिक मेंबरशिप जियो पोस्टपेड प्लस यूजर्स को बेहतरीन खरीदारी, बचत और मनोरंजन का अनुभव प्रदान करेगी और उपभोक्सताओं की जिंदगी को अधिक आसान और मजेदार बनाएगी। भागीदारी की चर्चा करते हुए, सुनील दत्त, अध्यक्ष, रिलायंस जियो ने कहा, जियो अपने उपभोक्सताओं को सबसे किफायती कीमत पर विश्सव स्तरीय डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जियो पोस्टपेड प्लस की पेशकश जियो के उपभोक्ता केंद्रित बनने और पोस्टपेड सर्विस सेगमेंट में बदलाव के लिए हमारे प्रयासों की दिशा में एक नया कदम है। अमेजन के साथ यह भागीदारी, बिना किसी अतिरिक्त खर्च पर हमारे उपभोक्ताओं को एक्सक्लूसिव कंटेंट, शॉपिंग और अमेजन सर्विस के अन्य बेनेफिट्स का लाभ प्रदान करेगी।

भारत डेटा के मुक्त प्रवाह के विचार को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं: गोयल

नई दिल्ली :

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत विभिन्न प्रकार के डेटा यानी जानकारी के विश्वास रखते हुए मुक्त प्रवाह (डीएफएफटी) के विचार को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने कहा कि इसे न तो अच्छी तरह से समझा गया है और न ही कई देशों के कानून में व्यापक तौर पर इसकी व्यवस्था है। गोयल ने जी-20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की 'ऑनलाइन' बैठक में कहा कि विभिन्न देशों के बीच डिजिटल स्तर पर व्यापक अंतर को देखते हुए विकासशील देशों के लिये नीतिगत गुंजाइश की जरूरत है जिन्हें अभी डिजिटल कारोबार और डेटा को लेकर कानून को अंतिम रूप देना है। उन्होंने कहा कि डेटा विकास के लिए एक मजबूत साधन है और इसका न्यायसंगत उपयोग भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है। मंत्री ने कहा कि कई अन्य विकासशील देशों की तरह भारत अभी भी अपने डेटा संरक्षण और ई-वाणिज्य कानून के लिए विधान तैयार करने के चरण में है। उन्होंने कहा कि भारत ने जी-20 के अन्य सदस्यों के साथ ओसाका में इस मामले में आपत्तियों के करण शामिल नहीं हुआ था। गोयल ने कहा, ''भारत डीएफएफटी की धारण स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है।'' बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह निश्चित रूप से निष्पक्ष, पारदर्शी और संतुलित होना चाहिए। गोयल ने कहा कि सुधारों के तहत बिना-भेदभाव, समावेश, विशेष और अलग व्यवहार और सहमति के आधार पर निर्णय जैसे बुनियादी सिद्धांतों का संरक्षण होना चाहिए।

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली । देश में बुधवार को पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रहे। इससे पहले सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार तक डीजल के दाम में लगातार छह दिन कटौती की थी जबकि तीन दिन बाद पेट्रोल की कीमत में भी नौ पैसे तक कमी की गई थी।तेल विपणन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी इंडियन आयल के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 81.06 जबकि डीजल 71.28 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। वाणिज्यिक नगरी मुंबई में पेट्रोल 87.74 रुपये प्रति लीटर और डीजल 77.74 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा।कोलकाता में पेट्रोल 82.59 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल का दाम 74.80 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 84.14 रुपये प्रति लीटर रही जबकि डीजल 76.72 रुपये प्रति लीटर रही ।

फसल वर्ष 2020-21 के खरीफ मौसम में 10.23 करोड़ टन चावल उत्पादन का अनुमान

नयी दिल्ली. देश में मौजूदा फसल वर्ष 2020-21 की खरीफ फसल में 10.23 करोड़ टन चावल उत्पादन का अनुमान है। सरकारी आंकड़ों में यह बात सामने आयी है। कृषि मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक मानसून अच्छा रहने से धान की पैदावार अच्छी रहने की उम्मीद है। इससे पिछले वर्ष 2019-20 की खरीफ फसल के दौरान 10.19 करोड़ टन चावल का उत्पादन हुआ था। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को 2020- 21 की प्रमुख खरीफ फसलों का पहला अग्रिम उत्पादन का अनुमान जारी किया। इसके मुताबिक चालू खरीफ सत्र में कुल खाद्यान्न पैदावार 14.45 करोड़ टन रहने का अनुमान है। जबकि पिछले साल इसी मौसम में 14.33 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ था। हालांकि, इस दौरान मोटे अनाजों का उत्पादन पिछले साल के 3.37 करोड़ टन के मुकाबले 3.28 करोड़ टन रहने का अनुमान लगाया गया है। वहीं दलहन उत्पादन पिछले फसल वर्ष में खरीफ के दौरान हुये 77.20 लाख टन के मुकाबले इस साल खरीफ में बढ़कर 93.10 लाख टन रहने का अनुमान है। तिलहन उत्पादन खरीफ सत्र में 2.57 करोड़ टन रहने का अनुमान है। पिछले साल यह 2.23 करोड़ टन रहा था। वहीं गन्ने का उत्पादन बढ़कर 39.98 करोड़ टन रहने का अनुमान है।

'PMC बैंक में भारी घाटे के कारण उसे पटरी पर लाने में चुनौती, नए प्रशासक की नियुक्ति'

नई दिल्ली :

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को कहा कि व्यापक स्तर पर घाटा और जमा में कमी जैसी चीजें पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक के पुनरूद्धार के रास्ते में बाधा हैं। आरबीआई ने बैंक के लिये एक नया प्रशासक भी नियुक्त किया। रिजर्व बैंक ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व महाप्रबंधक ए के दीक्षित को बैंक का नया प्रशासक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 23 सितंबर, 2020 से प्रभाव में आएगी। शीर्ष बैंक के अनुसार मौजूदा प्रशासक जे बी भोरिया स्वास्थ्य कारणों से पद से हट गए हैं। आरबीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''पीएमसी बैंक के प्रशासक और रिजर्व बैंक, सहकारी बैंक की समस्या के समाधान के लिये विभिन्न विकल्प तलाश रहे हैं। पर बैंक को हुए भारी नुकसान के कारण बैंक की पूरी नेटवर्थ समाप्त हो जाने, जमा राशि का क्षरण जैसे कारणों से उसके पुनरूद्धार के लिये योजना तैयार करने को लेकर गंभीर चुनौतियां हैं।'' केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक भी गैर-निष्पादित परिसंपत्ति से निपटने को लेकर प्रयास कर रहा है। हालंकि कोविड-19 महामारी और कानूनी जटिलताओं के कारण इसमें बाधा उत्पन्न हुई है। विज्ञप्ति के अनुसार जमाकर्ताओं के हितों में पीएमसी बैंक और आरबीआई संबंधित पक्षों के साथ मिलकर बैंक को पटरी पर लाने को लेकर व्यवहारिक और लागू करने योग्य समाधान पर निरंतर काम कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने कुछ वित्तीय अनियमितताएं पाये जाने के बाद सितंबर 2019 में बैंक के निदेशक मंडल को हटा दिया था और नियामकीय पाबंदियां लगा दीं थी।

राहत: 6 महीने में 32 लाख टैक्सपेयर्स को 111372 करोड़ रुपये का रिफंड

मुंबई - केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (**CBDT**) ने अप्रैल 2020 से 22 सितंबर 2020 के बीच 32.07 लाख करदाताओं को 1,11,372 करोड़ रुपये से अधिक का रिफंड जारी किया है। इस बाबत जानकारी देते हुए आयकर विभाग ने बताया कि 30,29,681 मामलों में 31,856 करोड़ रुपये का आयकर रिफंड जारी किया गया है। वहीं, 1,76,966 मामलों में 79,517 करोड़ रुपये का कॉरपोरेट टैक्स रिफंड दिया गया। कोरोना वायरस महामारी संकट काल के समय करदाताओं के लिए ये बहुत बड़ी राहत की बात है। मालूम हो कि आयकर विभाग ने कहा था कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आत्मनिर्भर भारत योजना की घोषणा किए जाने के बाद से रिफंड वापसी की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। दरअसल केंद्र सरकार ने कोविड-19 की महामारी के दौरान करदाताओं को बिना किसी रुकावट के कर संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। इसको देखते हुए आयकर विभाग लंबित कर राशि वापसी के मामले को निपटा रहा है।

INCOME TAX DEPARTMENT

होम लोन की मांग पकड़ रही जोर, पिछले साल के मुकाबले ज्यादा पूछताछ

नई दिल्ली :

कोरोना महामारी के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून के बीच सबकुछ बंद रहा। लॉकडाउन के कारण इस तिमाही में मांग बिल्कुल शून्य पर पहुंच गई। इस दौरान होम लोन और ऑटो लोन की मांग में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। दूसरी तमाही (जुलाई-सितंबर) से मांग में तेजी आने लगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई और अगस्त के महीने में होम लोन और ऑटो लोन को लेकर पूछताछ पिछले साल के मुकाबले ज्यादा रही, हालांकि यह जनवरी-फरवरी 2020 के मुकाबले अभी कम है।

होम लोन और ऑटो लोन में अगर इतनी तेजी दर्ज की गई है तो इसमें पब्लिक सेक्टर बैंकों का बहुत बड़ा योगदान है। रिपोर्ट के मुताबिक, पर्सनल लोन को लेकर पूछताछ पिछले साल के मुकाबले 118 फीसदी है, जबकि इस साल जनवरी-फरवरी के मुकाबले यह 102 फीसदी है। बात अगर प्राइवेट बैंकों की करें तो यह पिछले साल के मुकाबले 75 फीसदी तक ही परफॉर्म कर पा रहे हैं। **NBFCs** और फाइनैंशनल कंपनीज के मामले में यह और भी कम है।

होम लोन डिमांड में अच्छी खासी तेजी

TransUnion Cibil डेटा के मुताबिक, होम लोन पूछताछ में अच्छी-खासी तेजी आई है। जुलाई-अगस्त 2019 के मुकाबले यह इस साल 112 फीसदी रहा जबकि जनवरी-फरवरी 2020 के मुकाबले 92 फीसदी रहे। उसी तरह ऑटो लोन पूछताछ के मामले पिछले साल के मुकाबले 88 फीसदी और प्री-कोविड लेवल के मुकाबले 84 फीसदी रहे। लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी की बात करें तो यह पिछले साल के मुकाबले 90 फीसदी और प्री-कोविड मुकाबले में 72 फीसदी रहे।

7% से कम पर होम लोन

एसबीआई, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक जैसे पब्लिक सेक्टर बैंक अभी 7 फीसदी से कम इंट्रेस्ट रेट पर होम लोन ऑफर कर रहे हैं। प्राइवेट बैंकों में एचडीएफसी और आईसीआईसीआइ बैंक भी 7 फीसदी से नीचे इंट्रेस्ट रेट ऑफर कर रहे हैं।

इधर महाराष्ट्र सरकार ने होम लोन पर इंसेटिंव देने की घोषणा की है। स्टॉम्प ड्यूटी को 5 फीसदी से घटाकर 2 फीसदी कर दिया गया है। हालांकि यह स्कीम दिसंबर 2020 तक ही लागू है।

यूजर्स ध्यान दें, यूरोप से बाहर हो सकती है FACEBOOK

डबलिन - फेसबुक ने चेतावनी दी है कि अगर आयरिश डेटा सुरक्षा आयोग अमेरिका के साथ डाटा साझा करने पर प्रतिबंध लगाता है तो फेसबुक यूरोप से बाहर हो सकती है। फेसबुक के आयरलैंड में डेटा संरक्षण और एसोसिएट जनरल काउंसिल के प्रमुख यवोन्ने कुनेने ने एक अदालत में दाखिल याचिका में इस आशय की चेतावनी दी है। डबलिन में एक कोर्ट फाइलिंग में, फेसबुक के सहयोगी वकील ने लिखा कि प्रतिबंध लागू करने से कंपनी अपनी सर्विस संचालित करने में असमर्थ हो जाएगी। योवन कुन्नन ने कहा कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि फेसबुक और इंस्टाग्राम सेवाएं इन परिस्थितियों में जारी रहेंगी या नहीं। आयरिश उच्च न्यायालय में दायर किए गए कानूनी दस्तावेजों में कहा गया है कि फेसबुक और कई अन्य व्यवसाय और संगठन अपनी सेवाओं को संचालित करने के लिए यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच डेटा आदान प्रदान करते हैं। फेसबुक और यूरोपीय संघ की यह कानूनी जंग एक दशक से चल रही है। वर्ष 2011 में सबसे पहले एक ऑस्ट्रियाई वकील मैक्स श्रेम्स ने आयरिश डेटा संरक्षण आयोग के सामने एक प्राइवेसी कंपलेंट फाइल की थी जिसमें फेसबुक ने यूरोपीय संघ में सोशल नेटवर्क प्रैक्टिस पर नियंत्रण रखने को कहा गया।

1.5 लाख करोड़ से ज्यादा नहीं रहेगा कर्ज पुनर्गठन: एसबीआई

नई दिल्ली :

एसबीआई के चेयरमैन रजनीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि कर्ज पुनर्गठन योजना में अधिकतम 1.5 लाख करोड़ रुपए शामिल होने का अनुमान है। ग्राहकों में योजना को लेकर ज्यादा उत्साह या शोर-शराबा नहीं दिख रहा। रजनीश कुमार ने कहा कि विशेषज्ञ और रेटिंग एजेंसियां 8 लाख करोड़ के कर्ज पुनर्गठन का अनुमान लगा रही हैं लेकिन यह राशि अनुमान से काफी कम रह सकती है। एक बैंक के तौर पर मैं कह रहा हूं कि इसकी मांग बहुत ज्यादा नहीं है। मौजूदा हालात में कॉरपोरेट जगत की छोटी कंपनियां और एमएसएमई क्षेत्र के बड़े उद्यम ही योजना का लाभ लेने आगे आएंगे। अनुमान है कि 25 करोड़ से ज्यादा और 400 करोड़ से कम की कंपनियां ही पुनर्गठन की मांग करेंगी। उन्होंने कहा कि देश को गति देने के लिए बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश बढ़ाना ही एकमात्र विकल्प है।

अगर पांच साल में इस क्षेत्र को 110 लाख करोड़ का निवेश मिलता है, तो खपत के साथ रोजगार भी बढ़ेगा। बैंक जमाकर्ता और कर्जधारक के बीच अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन उनके सामने पूंजी, एनपीए और प्रशासनिक चुनौतियां भी हैं।

डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए डेबिट कार्ड पर MDR सीमा तय करने की जरूरत

बिजनेस डेस्क :

डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए सरकार को सभी तरह के डेबिट और प्रीपेड कार्ड पर व्यापारी छूट दर (एमडीआर) को लेनदेन मूल्य के मुकाबले 0.6 प्रतिशत तक सीमित करने की जरूरत है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बंबई द्वारा किए गए एक अध्ययन में सुझाव दिया गया कि एमडीआर के लिए 0.6 प्रतिशत की निर्धारित दर पर ऊपरी सीमा 150 रुपए तय की जानी चाहिए। अध्ययन में कहा गया, ''डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए पीओएस आधारित भुगतान स्वीकार करने वाले छोटे और मझोले व्यापारियों के लिए, जहां वार्षिक कारोबार दो करोड़ रुपए तक है, वहां 2,000 रुपए तक के लेनदेन के लिए एमडीआर सीमा 0.25 प्रतिशत तक की जा सकती है, जबकि 2,000 से अधिक के लेनदेन के लिए यह सीमा 0.6 प्रतिशत तक हो सकती है।'' इस समय 20 लाख रुपए या अधिक के वार्षिक कारोबार वाले व्यवसायों के लिए डेबिट कार्ड एमडीआर की सीमा लेनदेन मूल्य का 0.9 प्रतिशत है, जो अधिकतम 1,000 रुपए तक हो सकती है। रिपोर्ट में डिजिटल लेनदेन के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए पीओएस मशीनों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को हटाने की सिफारिश भी की गई है। रिपोर्ट में महंगे क्रेडिट या डेबिट कार्ड के इस्तेमाल से जुड़ी कमियों का हवाला देते हुए कहा गया है कि आरबीआई को भारत क्यूआर को सावधानी से बढ़ावा देने की जरूरत है। इसमें कहा गया है कि भीम-यूपीआई क्यूआर को स्टैटिक भारत क्यूआर से अलग करके क्यूआर कोड को लेकर उठा सकने वाली नकारात्मक भावनाओं को कम किया जा सकता है।

IL&FS मामला : सेबी ने तीन रेटिंग एजेंसियों पर जुर्माना बढ़ाकर किया एक-एक करोड़ रुपए किया

नई दिल्ली :

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को आईएलएण्डएफएस के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर की ऋण साख तय करते समय कोताही बरतने के मामले में रेटिंग एजेंसियों इक्रा, केयर रेटिंग्स और इंडिया रेटिंग्स पर जुर्माना बढ़ाकर एक-एक करोड़ रुपए कर दिया। विविध कारोबार करने वाली 'इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेस' (आईएल एण्ड एफएस) में वर्ष 2018 में संकट सामने आया। सरकार ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए कंपनी के निदेशक मंडल को हटाकर नए हाथों में सौंप दिया था। आईएलएफएस में नकदी संकट सामन आने के बाद से ही कंपनी और उससे जुड़ी इकाइयों पर विभिन्न नियामकों की निगाह बनी हुई है। बाजार नियामक सेबी ने दिसंबर 2019 में इक्रा, केयर रेटिंग्स और इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड पर 25-25 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। सेबी का कहना था कि रेटिंग कंपनियों की 'उदासीनता, ढीलेपन और टालमटोल वाले रवैये के चलते% आईएलएफएस में भुगतान संकट खड़ा हुआ। कई विशेषज्ञों ने कहा कि सेबी ने रेटिंग एजेंसियों के रवैये को लेकर उन्हें जोरदार लताड़ लगाई है लेकिन जब बात जुर्माने की आई तो उसमें वह परिलक्षित नहीं होती है। सेबी ने निर्णय अधिकारी (एओ) के आदेश की जांच की और पाया कि एओ द्वारा लगाया गया जुर्माना रेटिंग एजेंसियों के उल्लंघन से बाजार पर पड़े व्यापक प्रभाव के अनुरूप नहीं है। इसी दृष्टिकोण के साथ सक्षम प्राधिकारी ने एओ के निर्णय की समीक्षा की अनुमति दे दी। इसके बाद सेबी ने रेटिंग एजेंसियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया और उनसे पूछा कि उनके ऊपर जुर्माना क्यों नहीं बढ़ाया जाना चाहिए। सेबी ने मंगलवार को जारी तीन अलग-अलग आदेशों में कहा कि इक्रा, केयर रेटिंग्स और इंडिया रेटिंग्स की ओर से आईएलएण्डएफएस और उसकी अनुषंगी आईएलएफएस फाइनेंशियल सर्विसेस (आईएफआईएन) की प्रतिभूतियों की रेटिंग तय करने में बरती गई कोताही के कारण निवेशकों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। नियामक ने कहा कि इससे कार्पोरेट रिण बाजार में क्रेडिट रेटिंग को लेकर निवेशकों के विश्वास को गहरा झटका पहुंचाया है। इसके चलते सेबी ने तीनों कंपनियों पर जुर्माने को बढ़ाकर एक-एक करोड़ रुपये कर दिया। सेबी ने कहा कि इन रेटिंग एजेंसियों पर हल्का जर्माना लगाने का दूसरी क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को नुकसान हो सकता है जिन्होंने कानून का पूरी तरह से अनुपालन किया। उसने कहा, ''बोर्ड को बाजार की सत्यनिष्ठा की सुरक्षा की जरूरत है।

टेलीकॉम कंपनियों में बिकवाली के दबाव में लुढ़का शेयर बाजार

मुम्बई - विदेशी बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में वैश्विक निवेश फर्म केकेआर के 5,550 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा से कारोबार के शुरुआती पहर में बढ़त में रहने वाले घरेलू शेयर बाजार दूरसंचार क्षेत्र की कंपनियों में हुई भारी बिकवाली के दबाव में बुधवार को लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स आज भारी उठापटक के बाद 65.66 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की गिरावट में 37,668.42 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 21.80 अंक यानी 0.20 प्रतिशत लुढ़ककर 11,131.85 अंक पर बंद हुआ। विदेशी बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के दम पर सेंसेक्स आज बढ़त बनाता हुआ 38,000 के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 38,124.94 अंक पर खुला। रिलायंस इंडस्ट्रीज के रिटेल सेक्टर में केकेआर के निवेश की घोषणा से यह शुरुआती पहर में 38,140.07 अंक के दिवस के उच्चतम स्तर तक पहुंचा। दूरसंचार क्षेत्र में हुई भारी बिकवाली अपराह्न बाद सेंसेक्स पर हावी हो गयी और यह तेज गोता लगाता हुआ 37,313.09 अंक के दिवस के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में यह गत दिवस की तुलना में 65.66 अंक की गिरावट में 37,668.42 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी का ग्राफ भी सेंसेक्स की तरह रहा। यह तेजी के साथ 11,258.75 अंक पर खुला। कारोबार के शुरुआती पहर में यह 11,259.55 अंक के दिवस के उच्चतम स्तर तक पहुंचा। भारती इंफ्राटेल, भारती एयरटेल और टाटा स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों में हुई भारी बिकवाली के दबाव में यह 11,024.40 अंक के दिवस के निचले स्तर तक लुढ़का और अंततः गत दिवस की तुलना में 21.80 अंक की गिरावट के साथ 11,131.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबारी विश्लेषकों के मुताबिक अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन में 10 साल के बांड पर यील्ड घटने से निवेशकों का रूझान जोखिम भरे निवेश में बढ़ने से यूरोपीय शेयर बाजार आज तेजी में खुले।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फुटबॉल : मेक्सिको और कोस्टा रिका का दोस्तना मैच रद्द

मेक्सिको । कोरोना वायरस के कारण जारी प्रतिबंधों के चलते मेक्सिको और कोस्टा रिका के बीच होने वाले अंतर्राष्ट्रीय दोस्ताना फुटबॉल मैच को रद्द कर दिया गया है। दोनों देशों के फुटबॉल महासंघों ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको और कोस्टा रिका के बीच होने वाले अंतर्राष्ट्रीय दोस्ताना फुटबॉल मैच का आयोजन 30 सितंबर को मेक्सिको सिटी में होना था। लेकिन कोस्टा रिका ने कहा है कि क्वारंटीन नियमों के कारण उनके पास इस मैच से हटने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। इस महीने की शुरुआत में, कोस्टा रिका टीम के अधिकारियों ने कहा था कि यदि देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने विदेश से आने वाले सभी यात्रियों के लिए 14-दिन के क्वारंटाइन को अनिवार्य रूप से नहीं हटाया तो मैच संभव नहीं होगा। मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार, महासंघ ने अपनी सरकार से अक्टूबर और नवंबर के लिए निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय मैच कार्यक्रमों की सुविधा के लिए बातचीत शुरू करने को कहा है। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण मेक्सिको और कोस्टा रिका की राष्ट्रीय टीमों ने इस साल एक भी मैच नहीं खेला है।

छक्कों की बरसात के बीच जीते रॉयल्स, हाई स्कोरिंग मैच में चैन्नई को 16 रन से हराया

शारजाह।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 13वें सीजन के चौथे मैच में आज राजस्थान रॉयल्स (RR) ने चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) को 16 रन से हरा दिया। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने स्टीव स्मिथ और संजू सैमसन के शानदार अर्धशतकों की बदौलत 20 ओवर में 7 विकेट के नकुसान पर 216 रन बनाए। इसके जवाब में चेन्नई की टीम 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 200 रन ही बना सकी। चन्नई की तरफ से सबसे ज्यादा 72 रन की पारी फाफ डु प्लेसिस ने खेली।

चेन्नई की तरफ से सैम करन ने 3 जबकि दीपक चाहर, लुंगी एनगिडी और पीयूष चावला को 1-1 विकेट मिला। वहीं राजस्थान के गेंदबाज राहुल तेवतिया को तीन विकेट मिले। टॉम करन, श्रेयश गोपाल और जोफ्रा आर्चर ने 1-1 विकेट झटका। राजस्थान ने अपना पहला विकेट आईपीएल पदार्पण कर रहे यशस्वी जायसवाल के रूप में खोया। छह रन बनाने वाले यशस्वी का कैच दीपक चाहर ने अपनी ही गेंद पर पकड़ा। लेकिन इसके बाद सैमसन ने आते ही बड़े शॉट्स की बरसात कर दी और महज 19 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने कप्तान स्मिथ के साथ दूसरे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी की। यह इस सीजन की पहली शतकीय साझेदारी है। लुंगी एनगिडी की गेंद पर चाहर ने सैमसन का कैच पकड़ उनकी पारी का अंत किया। सैमसन का विकेट 132 के कुल स्कोर पर गिरा। उन्होंने 32 गेंदें की पारी में नौ छक्के और सिर्फ एक चौका मारा। राजस्थान ने इसके बाद डेविड मिलर (0) और रोबिन उथप्पा (5) के विकेट जल्दी-जल्दी खो दिए। यहां से राजस्थान ने लय खो दी। उथप्पा के बाद राहुल तेवतिया और फिर रियान पराग भी क्रमश: 10 और छह रन बनाकर पवेलियन लौट लिए। स्मिथ हालांकि एक छोर पर खड़े रहे। उनकी पारी का अंत 19वें ओवर में सैम कुरैन ने किया। स्मिथ सीमा रेखा पर केदार जाधव के हाथों लपके गए। स्मिथ ने अपनी पारी में 47 गेंदों का सामना कर चार चौके और चार छक्के लगाए। सैमसन के आउट होने के बाद रनगित में जो कमी आई थी वो आर्चर ने आखिरी ओवर में पूरी कर दी।

कोलकाता की बल्लेबाजी का मुख्य बिंदु हैं शुभमन गिल : स्टाइरिस

अबु धाबी ।

शुभमन गिल शानदार बल्लेबाज हैं और वह कोलकाता नाइट राइडर्स की बल्लेबाजी का मुख्य बिंदु रहेंगे। यह कहना है न्यूजीलैंड के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी स्कॉट स्टाइरिस का। गिल ने अंडर-19, घरेलू क्रिकेट और पिछले साल आईपीएल में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। स्टाइरिस ने स्टार स्पोर्टस के शो में कहा, मैं पिछले 18 महीनों से नंबर-1 प्रशंसक रहा हूं। चूंकि गिल हैं तो मैं यह कह सकता हूं कि मैं फैनब्वॉय की सूची में शीर्ष पर हूं। मुझे लगता है कि गिल शानदार क्रिकेटर हैं। वह बेहतरीन प्रतिभा के धनी हैं। उन्होंने कहा, रोबिन उथप्पा और गौतम गंभीर के जाने के बाद गिल पर जिम्मेदारी है, वह उस बल्लाबाजी आक्रमण के मुख्य बिंदु हैं। वह कोलकाता के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। स्टाइरिस के मुताबिक गिल पर बाकी युवा बल्लेबाजों जैसे पृथ्वी शॉ और पडिकल की तुलना में ज्यादा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, गिल के कंधों पर बाकी युवाओं से ज्यादा जिम्मेदारी है और यह इकलौती चीज है जो उन्हें पीछे कर सकती है। वह शानदार हैं और शानदार बल्लेबाजी करते हैं, लेकिन उनके पास अतिरिक्त जिम्मेदारी है।

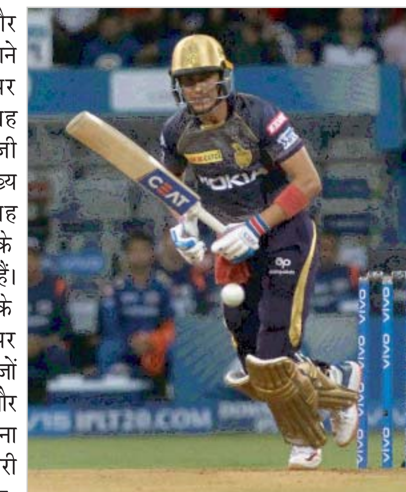

हॉकी प्रो लीग : जर्मनी की महिला व बेल्जियम की पुरुष टीम को मिली जीत

डुसेलडोर्फ । करीब छह महीने तक स्थगित रहने के बाद एफआईएच हॉकी प्रो लीग की मंगलवार से शुरुआत हो गई, जहां जर्मनी की महिला और बेल्जियम की पुरुष हॉकी टीमों ने अपने अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। जर्मनी की महिला टीम ने बेल्जियम को 2-0 से मात दी। जर्मनी के लिए नाओमी हेइन और लीना मिशील ने गोल किए। पुरुष वर्ग के मैच में मौजूदा विश्व चैंपियन बेल्जियम ने जर्मनी की टीम को 6-1 से करारी मात दी। बेल्जियम के लिए अलेक्जेंडर हेंड्रिक, विलियम गिस्लेन और निकोलस डी केर्पेल ने पहले हाफ में गोल किए। दूसरे हाफ में एंटोनी किना और लोइक लुइपर्ट ने गोल किए। जर्मनी के लिए एकमात्र गोल लुका वाइंडफेडर ने गोल किया।

पीएम मोदी के फिट इंडिया संवाद का हिस्सा बनना सम्मान की बात : कोहली

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया संवाद का हिस्सा बनकर वह सम्मानित महसूस कर रहे हैं। फिट इंडिया मूवमेंट की पहली वर्षगांठ पर पीएम मोदी गुरुवार को वीडियो कॉन्फेंसिंग के जरिए देशभर के उन हस्तियों के साथ बातचीत करेंगे, जो देशवासियों को फिटनेस के प्रति जागरुक कर रहे हैं। इसी दौरान कोहली भी पीएम मोदी से बात करेंगे। कोहली ने ट्विटर पर कहा, मैं हमारे माननीय प्रधानमंत्री के फिट इंडिया संवाद का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जहां आप मुझे फिटनेस के बारे में बात करते हुए देख सकते हैं। कोहली के अलावा इस संवाद में मॉडल और धावक मिलिंद सोमण, आहार विशेषज्ञ रूतुजा दिवेकर, पैरालंपियन स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया, जम्मू और कश्मीर की एक महिला फुटबॉलर अफशां आशिक, जो अब फुटबॉल में अन्य लड़कियों को प्रशिक्षित करती हैं। केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। सोमण आयरनमैन प्रतियोगिता के विजेता हैं। उन्होंने कहा कि वह फिट इंडिया संवाद के माध्यम से पूरे देश के साथ अपने फिटनेस मंत्र को साझा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं सरल चीजें करने का प्रस्तावक रहा हूं और इसलिए हमारे प्रधानमंत्री की उपस्थिति में, मैं किसी भी उम्र में स्वस्थ और फिट रहने के सरल तरीकों पर बात करूंगा।

संक्षिप्त समाचार

इस साल खुद को साबित करने पर ध्यान : स्टोइनिस

दुबई । आईपीएल फेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के आलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने कहा है कि लीग के 13वें सीजन में वह खुद को साबित करना चाहते हैं और टूर्नामेंट का लुत्फ उठाना चाहते हैं। स्टोइनिस ने रविवार को आईपीएल-13 के मैच में जरूरत पड़ने पर दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया। स्टोइनिस ने 21 गेंदों पर 53 रन बना कर दिल्ली को 20 ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 157 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया और जब पंजाब को जीतने के लिए आखिरी तीन गेंदों पर एक रन चाहिए था तब स्टोइनिस ने आखिरी दो गेंदों पर दो विकेट लेकर मैच को सुपर ओवर में पहुंचा दिया। सुपर ओवर में दिल्ली ने जीत दर्ज की। अपने प्रदर्शन के लिए स्टोइनिस मैन ऑफ द मैच चुने गए थे। दोनों पारियों में गेम चेंजर साबित होने के बाद, स्टोइनिस ने कहा कि उनकी परिपक्वता ने उस दिन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्टोइनिस ने कहा, मैंने इस साल कुछ अच्छे प्रदर्शन किए थे और इससे मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ था और मैं इसी बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ आया हूं। लेकिन कुछ अन्य वर्षों की तुलना में मैं खुद पर कम जिम्मेदारी ले रहा हूं। कभी-कभी जब आप युवा होते हैं और आप जल्दी में होते हैं, तो आप अच्छा प्रदर्शन करना चाहते है। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे लगता है कि इस साल मैं खुद को साबित करना चाहता हूं और यह केवल एक खेल में, इसलिए हम देखेंगे। आप जल्द ही नायक से खलनायक बन सकते हैं, लेकिन हां, मेरा ध्यान सिर्फ इसका आनंद लेने पर है और भरोसा रखें कि मैं अच्छा करूंगा। 31 वर्षीय ऑलराउंडर ने साथ ही कहा कि अपने बेसिक्स पर भरोसा करने से उन्हें काफी मदद मिली है।

एंड्रेस्कू ने फ्रेंच ओपन से नाम लिया वापस

नई दिल्ली । विश्व की नंबर-7 महिला टेनिस खिलाड़ी बियांका एंड्रस्कू ने ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन से नाम वापस ले लिया है। वह बाकी के सत्र में भी आराम करेंगी और अपने स्वास्थ तथा ट्रेनिंग पर ध्यान देंगी। कनाडा की एंड्रस्कू ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया, मैंने इस बार क्ले कोर्ट सेशन में न खेलने का मुश्किल फैसला किया है। मैं साथ ही बाकी के बचे सत्र में भी आराम करूंगी और अपने स्वास्थ्य और ट्रेनिंग पर ध्यान दूंगी। एंड्रस्कू इस बार अमेरिका ओपन में अपना खिताब बचाने भी नहीं उतरी थीं। उन्होंने पिछले साल शिनझेन में खेले गए डब्ल्यूटए फाइनल्स में खेला था और तब से वह कोर्ट पर नहीं उतरी हैं। इस साल उन्होंने जनवरी में आस्ट्रेलियन ओपन में भी हिस्सा नहीं लिया था। उन्होंने कहा, इस फैसले पर पहुंचना काफी मुश्किल था। 2021 में मेरे पास करने के लिए काफी कुछ है। मैं इस समय का उपयोग अपने खेल पर ध्यान देने में लगाना चाहती हूं ताकि मैं मजबूती से वापसी कर सकूं।

बयान- धोनी ने बताया, बैटिंग करने के लिए नंबर 7 पर क्यों आए? हार के लिए नो बॉल को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली।

राजस्थान रॉयल्स ने मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स पर 16 रनों की जीत दर्ज की। इस दौरान सीएसके के कप्तान एमएस धोनी ने अंतिम ओवर में तीन बैक-टू-बैक छक्के मारे। उनके शॉट में इतनी तेज ताकत थी कि एक बॉल शारजाह स्टेडियम के बाहर जाकर गिरी। ऐसे में उनके प्रशंसकों और विशेषज्ञों ने आश्चर्य व्यक्त किया कि धोनी बैटिंग करने के लिए नंबर 7 पर क्यों आए? जब मैच के बाद प्रजेंटेशन सेरेमनी में उनसे इस बारे में पूछा गया, तो कप्तान ने खुलासा किया कि उन्होंने खुद को प्रमोट नहीं किया क्योंकि उन्होंने कुछ समय में बल्लेबाजी नहीं की थी। धोनी ने कहा, इसके साथ ही हम विभिन्न चीजों को आजमाना चाहता थे। यदि यह काम नहीं करता है, तो आप हमेशा अपनी स्ट्रेंथ पर वापस जा सकते हैं। टीम को मिली हार को लेकर महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि टीम को नो बॉल फेंकने का खामियाजा भुगतना पड़ा। राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 216 रन बनाए। चेन्नई पूरे ओवर खेलने के बाद 200 रन ही बना सकी। चेन्नई ने पूरे मैच में तीन नो बॉल फेंकी जिसमें से दो नो बाल लुंगी नगिदी ने आखिरी ओवर में फेंकी जिन पर दो छक्के पड़े। धोनी मैच के बाद कहा, उनके स्पिनरों ने ज्यादा कुछ अलग करने की कोशिश नहीं की, लेकिन हमारे स्पिनरों ने शुरुआती ओवरों में ऐसा नहीं किया। किसी एक को कुछ न कहते हुए मेरा कहना है कि हम नियंत्रण कर सकते थे। हम नो बॉल पर नियंत्रण कर सकते थे। अगर हमने नो बॉल नहीं फेंकी होती तो हम 200 रनों का पीछा कर रहे होते और यह एक अच्छा मैच होता। 217 रनों के लक्ष्य के पीछा करने उतरी चेन्नई के लिए किसी का बल्ला चला तो वो था फाफ डु प्लेसिस का। फाफ ने 37 गेंदों पर सात छक्के और एक चौके की मदद से 72 रनों की पारी खेली। धोनी ने फाफ की तारीफ करते हुए कहा, फाफ ने शानदार बल्लेबाजी की। अहम चीज स्थिति के साथ तालमेल बिठाना है। जब स्पिनर छोटी गेंद कर रहे थे जरूरी था कि मिड ऑन के ऊपर से मारा जाए न कि स्कावयर लेग के क्योंकि गेंद नीची रह रही थी। मुझे लगता है कि फाफा ने यही किया। धोनी ने कहा कि राजस्थान के गेंदबाजों को भी श्रेय देना चाहिए। उन्होंने कहा, आपको उनके गेंदबाजों को श्रेय देना होगा। काफी सारी ओस थी। वो जानते थे कि किस लैंग्थ पर गेंदबाजी करनी है।

हैदराबाद के मिशेल मार्श आईपीएल से बाहर, होल्डर टीम में शामिल

दुबई ।

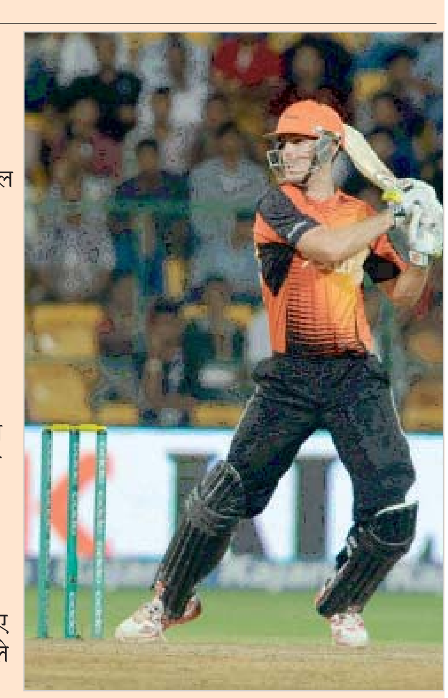

आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के आलराउंडर मिशेल मार्श टखने में चोट के कारण लीग के 13वें सीजन से बाहर हो गए हैं और अब वेस्टइंडीज के आलराउंडर जेसन होल्डर को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है। मार्श को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ खेले गए हैदराबाद के पहले मैच में टखने में चोट लग गई थी। सनराइजर्स हैदराबाद ने ट्विटर पर कहा, मिशेल मार्श चोट के कारण बाहर हो गए हैं। हम उनके जल्द से जल्द चोट से उबरने की कामना करते हैं। उनकी जगह जेसन होल्डर को आईपीएल 2020 के लिए टीम में शामिल किया गया है। मार्श को सोमवार को गेंदबाजी करते समय चोट लग गई थी। चोटिल होने के बावजूद टीम ने उन्हें बल्लेबाजी के लिए भेजा था, लेकिन वह खाता खोले बिना आउट हो गए थे। सनराइजर्स हैदराबाद को इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ 10 रन से हार का सामना करना पड़ा था। सनराइजर्स हैदराबाद को लीग में अपना अगला मैच शनिवार को अबु धाबी में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलना है।

जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम को पाकिस्तान दौरे की मिली मंजूरी

हरारे। जिम्बाब्वे की सरकार ने अपने देश के क्रिकेट बोर्ड को पुरुष क्रिकेट टीम को पाकिस्तान दौरे पर भेजने को अपनी मंजूरी दे दी है। जिम्बाब्वे को अक्टूबर-नवंबर में पाकिस्तान दौरे पर सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने अपने ट्विटर पर कहा, जिम्बाब्वे की सरकार ने अक्टूबर-नवंबर में पाकिस्तान दौरे पर जाने के लिए जिम्बाब्वे क्रिकेट को अपनी मंजूरी दे दी है। जिओ सुपर टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, जिम्बाब्वे को पाकिस्तान दौरे पर तीन मैचों की वनडे और इतने ही मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। वनडे सीरीज विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा है और ये मैच मुल्तान में 30 अक्टूबर, एक नंबर और तीन नवंबर को खेले जाएंगे। जिम्बाब्वे को इसके बाद रावलपिंडी में सात, आठ और 10 नवंबर को टी 20 मैच खेलने हैं। पिछले पांच वर्षों में जिम्बाब्वे का यह दूसरा पाकिस्तान दौरा होगा।

आईपीएल में एक प्रतिबंध तबाह कर सकता है खिलाड़ियों का करियर

नई दिल्ली।

अगर कोई खिलाड़ी, प्लेयर स्पोर्ट स्टाफ कर्मी या मैच अधिकारी आईपीएल मैचों के दौरान किसी भी तरह के मोबाइल उपकरण, लैपटॉप कंप्यूटर, स्टेटिक/लैंडलाइन या मैच अधिकारियों के क्षेत्रों (पीएमओए) में कॉल करने जैसे नियमों का तीन बार उल्लंघन करता है तो उस पर पांच लाख रुपये का जुर्माना और तीन आईपीएल मैचों के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। आईपीएल मैचों के दौरान पीएमओए के लिए बीसीसीआई के न्यूनतम मानकों के तहत बनाए गए नियम के अनुसार, इस प्रकार के उल्लंघनों के लिए यह और अन्य कम दंड, तुरंत बाध्यकारी और गैर-अपील योग्य होगा। मोबाइल/लैपटॉप उपकरणों को ले जाने से संबंधित नियमों का पहली बार उल्लंघन करने पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा, जबकि उसी व्यक्ति द्वारा दूसरी बार इस तरह का उल्लंघन करने पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। बीसीसीआई की भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) के प्रमुख ये जुर्माना लगाएंगे। राजस्थान के पूर्व पुलिस महानिदेशक अजीत सिंह फिलहाल एसीयू प्रमुख हैं, जिन्हें मार्च 2018 में इस पद पर नियुक्त किया गया था। पीएमओए के नियम के अनुसार, उपरोक्त में से किसी के संबंध में एसीयू प्रमुख द्वारा किया गया कोई भी निर्णय, इस मामले का पूर्ण, अंतिम और पूर्ण निपटान, तुरंत बाध्यकारी और गैर-अपील योग्य होगा। कुछ लोगों का कहना है कि आईपीएल में खेलने के दौरान खिलाड़ी लाखों और करोड़ों रुपये कमाते हैं, इसलिए इस तरह से जुर्माने से उनके जेब पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। लेकिन बीसीसीआई के पूर्व एसीयू प्रमुख नीरज कुमार का कहना है कि जुर्माने से ज्यादा नियमों के उल्लंघन के लिए प्रतिबंधित होना, उनके बाकी करियर पर कलंक की तरह बन जाता है। दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त नीरज ने आईएएनएस से कहा, ये जुर्माने हमेशा से थे, लेकिन इसे पहले कभी लागू करने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि यह उल्लंघन नहीं हुआ था। लेकिन यह भी दाग की तरह है कि तीन मैचों का प्रतिबंध आपके करियर को तबाह कर सकता है। नीरज ने यह भी कहा कि प्रतिबंध के बाद टीम में वापसी करने वाले गैर-स्थापित क्रिकेटर के लिए एक अनुभवी खिलाड़ी की तुलना में अधिक कठिन हो सकता है, जिसे उसी अपराध के लिए दंडित किया जाता है।उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ियों-स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और कैमरून बैनक्रॉफ्ट का उदाहरण दिया, जिन्हें मार्च 2018 में केपटाउन के न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ करने के मामले में प्रतिबंधित कर दिया गया था। उन्होंने कहा, यदि आप एक स्टीव स्मिथ हैं, तो प्रतिबंध समाप्त होने के बाद आप वापस आ सकते हैं। लेकिन यदि आप उससे कम स्तर के खिलाड़ी हैं, तो आप शायद कभी वापस नहीं लौट पाएंगे।

अक्टूबर के बाद तेजी आएगी, टीम सही दिशा की ओर अग्रसर : ललित

बेंगलुरू । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड ललित उपाध्याय ने एफआईएच प्रो लीग में जर्मनी के खिलाफ बेल्जियम टीम के शानदार प्रदर्शन की तारीफ की है। बेल्जियम ने जर्मनी से यह मुकाबला 6-1 से जीत लिया। कोविड-19 महामारी के कारण करीब छह महीने तक स्थगित रहने के बाद मंगलवार को दोबारा से लीग की शुरुआत हुई, जहां बेल्जियम ने जर्मनी को 6-1 से करारी मात दी। भारतीय टीम इस साल की शुरुआत में जब बेल्जियम से भिड़ी थी तो उसने पहले मैच में बेल्जियम को 2-1 से हराया था, जबकि दूसरे मैच में उसे 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। साई सेंटर में जारी अभ्यास शिविर में भाग ले रहे ललित ने कहा, हम सभी लोग एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैचों की शुरुआत के लिए उत्साहित थे। हालांकि हम एक कड़े मुकाबले की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन यह काफी एकतरफा था। जर्मन टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी के हमले के खिलाफ संघर्ष किया और सर्कल के अंदर बेल्जियम की सफलता बहुत प्रभावशाली थी। अनुभवी फॉरवर्ड ने कहा कि भारतीय टीम अभी फिलहाल अपने पहले की फॉर्म को हासिल करने की दिशा में काम कर रही है और मौजूदा शिविर में फिटनेस सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया द्वारा उठाए गए शुरुआती उपायों की वजह से हम गतिविधियों को फिर से शुरू कर पाए, जिन्होंने अप्रैल के शुरू में हॉकी एसओपी सुनिश्चित किया था। हम सभी को दिशा-निर्देशों के बारे में जानकारी दी गई थी कि राष्ट्रीय शिविर शुरू होने के बाद एक बार फिर से गतिविधियों को फिर से शुरू किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जेपी नड्डा ने महत्वपूर्ण विधेयकों के संसद में पारित होने पर जताई खुशी

नयी दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर आधिकारिक विधेयक-2020 को ''ऐतिहासिक'' करार देते हुए इसे संघ शासित प्रदेश की क्षेत्रीय भाषाओं के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इससे पहले संसद ने जम्मू-कश्मीर आधिकारिक विधेयक-2020 को मंजूरी प्रदान कर दी जिसमें पांच भाषाओं हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, कश्मीरी और डोगरी को केंद्र शासित प्रदेश की आधिकारिक का दर्जा देने का प्रावधान है। इस विधेयक को आज राज्यसभा से मंजूरी मिली। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है।

नड्डा ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, ''मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर के सांस्कृतिक संरक्षण एवं विकास के लिए कृत संकल्पित है।'' भाजपा अध्यक्ष ने उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020 और सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 के भी संसद से पारित होने पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने इन विधेयकों को ऐतिहासिक और व्यापक श्रम सुधार बताया। उन्होंने कहा, ''ये 50 करोड़ मजदूरों के लिए स्वस्थ व सुरक्षित काम करने का वातावरण देगा। सरकार प्रवासी मजदूरों को लेकर बहुत संवेदनशील है। पहली बार उनके कल्याण के कई सारे प्रावधान किए गए हैं।

पुलवामा में सुरक्षा बलों को ले जा रहे वाहन पर आतंकी हमला, कोई हताहत नहीं

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में आतंकवादियों ने बुधवार को सुरक्षा बलों को लेकर जा रहे एक वाहन पर गोलियां चलाईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि आतंकवादियों ने पुलवामा के चटपोरा में दोपहर के करीब सुरक्षा बलों के वाहन पर गोलीबारी की। अधिकारी ने कहा कि गोलीबारी के बाद आतंकवादी मौके से फरार हो गए।

मनीष सिसोदिया की तबियत बिगड़ी, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में कराया गया भर्ती

नयी दिल्ली। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों ने बताया कि आम आदमी पार्टी के 48 वर्षीय नेता को यहां सरकारी लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह 14 सितंबर को संक्रमित पाये गये थे और घर पर ही पृथक-वास में थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मनीष सिसोदिया का दूसरी बार कोरोना टेस्ट किया गया, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

14 सितंबर को मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर कोरोना संक्रमित होने की जानकारी दी थी। ट्वीट में उन्होंने लिखा था कि हल्का बुखार के बाद आज कोविड-19 जांच करायी, जांच में संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। मैंने स्वयं को एकांतवास में रख लिया है। फिलहाल बुखार या अन्य कोई परेशानी नहीं है, मैं पूरी तरह ठीक हूँ। आप सब की दुआओं से जल्द ही पूर्ण स्वस्थ होकर काम पर लौटूंगा

उत्तर बंगाल में भारी बारिश का पूर्वानुमान, पर्वतीय इलाकों में हो सकती हैं भूस्खलन की घटनाएं

कोलकाता। मौसम विभाग ने बुधवार को कहा कि उत्तर बंगाल में भारी बारिश की संभावना है जिससे नदियों में उफान आ सकता है और दार्जीलिंग तथा कलिमपोंग जिलों के पर्वतीय इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं हो सकती हैं। विभाग के निदेशक जी के दास ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहीं संबंधित स्थितियों के चलते 23 से 25 सितंबर तक उत्तर बंगाल के जिलों में भारी बारिश की संभावना है। उन्होंने कहा कि दार्जीलिंग, कलिमपोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में इस दौरान भारी से अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। अधिकारी ने कहा कि माल्दा, उत्तरी दिनाजपुर और दक्षिणी दिनाजपुर जिलों में भी 25 सितंबर तक भारी बारिश की संभावना है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश के चलते उत्तरी बंगाल की विभिन्न नदियां उफान पर आ सकती हैं और दार्जीलिंग तथा कलिमपोंग के पर्वतीय इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं हो सकती हैं।

अखिलेश यादव की भाजपा सरकार से मांग, कहा- पीएम केयर्स फंड को जनता केयर्स फंड बनाया जाए

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए बनाए गए पीएम केयर्स फंड को जनता केयर्स फंड में तब्दील करने की मांग की है। सपा अध्यक्ष ने बुधवार को एक ट्वीट कर कहा चुनावी रैली के लिए लाखों एलईडी टीवी पर अरबों का प्रचार फ़ंड खर्च करने वाली वर्तमान सत्ता के पास क्या शिक्षार्थियों-शिक्षकों के लिए ऑनलाइन शिक्षण के लिए व्यवस्था करने का फ़ंड नहीं है? उन्होंने कहा भाजपा सरकार ईमानदारी से पीएम केयर्स फ़ंड को जनता केयर्स फ़ंड बनाए और देश के भविष्य की चिंता करे। अखिलेश ने ट्वीट के साथ अपने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में छात्रों को मुफ्त लैपटॉप बांटने की तस्वीरें भी पोस्ट की। सपा अध्यक्ष ने एक अन्य ट्वीट में कोरोना संक्रमण के मौजूदा हालात के बीच स्कूल खोलने के विचार का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कोरोना काल में शिक्षण सत्र को निरंतर रखने के लिए स्कूल खोलना सुरक्षित विकल्प नहीं है। सरकार गरीब परिवारों में प्रति विद्यार्थी एक स्मार्ट फोन, इंटरनेट नेटवर्क और बिजली उपलब्ध कराए। साथ ही शिक्षकों को भी घरों पर डिजिटल अध्यापन के लिए नि:शुल्क हार्डवेयर दे। भाजपा सरकार परिवारवालों से सलाह ले।

बटला हाउस मुठभेड़ को फर्जी ठहराने के लिए झूठी खबरों और अफवाहों का लिया गया सहारा : करनैल सिंह

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी एवं दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ के तत्कालीन मुखिया करनैल सिंह ने कहा है कि 2008 में इंडियन मुजाहिदीन के आतंकवादियों के साथ बटला हाउस में हुई मुठभेड़ को फर्जी ठहराने के लिए नेताओं, कार्यकर्ताओं और मीडिया के एक तबके ने ''झूठी खबरों'' और ''सड़क पर उड़तीं अफवाहों'' का सहारा लिया। केंद्रशासित क्षेत्र कैडर के 1984 बैच के अधिकारी रहे सिंह ने दक्षिणी दिल्ली के जामिया नगर में बटला हाउस इलाके में स्थित एल-18 मकान में 19 सितंबर 2008 को हुई मुठभेड़ पर 'बटला हाउस- एंन इन्काउंटर दैट शुक द नेशन' शीर्षक से किताब लिखी है। किताब रूपा पब्लिकेशंस ने प्रकाशित की है। सिंह पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ के मुखिया एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त के रूप में 2008 के दिल्ली बम विस्फोटों की जांच का नेतृत्व कर रहे थे। विस्फोट स्थल से मिले सुरागों ने जांच की दिशा बटला हाउस की तरफ मोड़ दी जहां इंडियन मुजाहिदीन के आतंकवादी छिपे थे। बटला हाउस इलाके में टोह लेने गए पुलिसकर्मियों तथा आतंकवादियों के बीच मुइभेड़ हो गई जिसमें दो आतंकवादी मारे गए और विशेष प्रकोष्ठ में शामिल इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा शहीद हो गए। प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक के रूप में 2018 में सेवानिवृत्त हुए सिंह ने इस मुठभेड़ के बारे में पीटीआई-से बात की। इस मुठभेड़ को लेकर देशभर में जमकर राजनीति हुई थी। सिंह ने आरोप लगाया, ''बटला हाउस मुठभेड़ के बारे में फर्जी खबरें फैलाकर एक धारणा पैदा की गई। कई नेताओं, कार्यकर्ताओं और मीडिया प्रतिष्ठानों ने तथ्यों की जांच किए बिना सड़क पर उड़तीं अफवाहों को उठाया।'' उन्होंने कहा, ''उदाहरण के लिए कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा उनके सहकर्मियों द्वारा उनकी पीठ पर दागी गईं तीन गोलियों की वजह से मारे गए। इन लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि आतंकवादियों ने कोई गोलीबारी नहीं की। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में स्पष्ट खुलासा हुआ कि शर्मा को सामने से दो गोलियां लगी थीं, न कि पीछे से।'' सिंह ने कहा कि दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों ने मारे गए दोनों आतंकवादियों का पोस्टमॉर्टम किया और उनके हाथों से लिए गए नमूनों को यह पता करने के वास्ते 'डर्मल नाइट्रेट' जांच के लिए अपराध विज्ञान प्रयोगशाला भेजा कि उन्होंने गोली चलाई थी या नहीं। उन्होंने कहा, ''जांच रिपोर्ट में स्पष्ट हो गया कि दोनों आतंकवादियों ने पुलिस टीम पर गोली चलाई थी।'' सिंह ने कहा, ''फर्जी खबरों के प्रसार से बाधा उत्पन्न हुई, लेकिन कुछ समय के लिए। सभी तथ्यों, साक्ष्यों और जांच से मुठभेड़ की प्रामाणिकता साबित हो गई।''

कुछ समय के लिए देश की वित्तीय खुफिया इकाई का भी नेतृत्व कर चुके सिंह ने कहा कि संवेदनशील जांच की मीडिया रिपोर्टिंग बड़ी जिम्मेदारी का काम है। यह पूछे जाने पर कि इंडियन मुजाहिदीन के आतंकवादियों ने देश में विभिन्न स्थानों पर विस्फोट क्यों किए, सिंह ने कहा कि वे ओसामा बिन लादेन से प्रभावित थे। उन्होंने कहा, ''उनके (आतंकवादियों) इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर साक्ष्यों के जरिए हमने पाया कि वे ओसामा बिन लादेन के भाषणों से प्रभावित थे। हमें जांच में प्रस्तुतियां, प्रेरित करने वाले गीत और वीडियो कॉल के सबूत मिले, ताकि और अधिक लोगों को वे अपने मिशन में जोड़ सकें।'' सिंह ने कहा, ''आईएम (इंडियन मुजाहिदीन) की आकृति में रखे गए बमों की तस्वीरें मिलीं। हमें पता चला कि उनमें से अधिकतर अपने मित्रों या परिचितों के माध्यम से आईएम से जुड़े थे।'' उन्होंने कहा कि बटला हाउस मुठभेड़ के बाद कुछ आतंकवादी पाकिस्तान और दुबई भाग गए जिनके बारे में कोई सूचना नहीं है कि वे जीवित हैं या मर गए। किताब में इस बात का ब्योरा है कि बटला हाउस में छापेमारी करने गई पुलिस टीम ने बुलेट प्रूफ जैकेट क्यों नहीं पहन रखी थी और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अच्छा काम करने के लिए सिंह तथा उनकी टीम की प्रशंसा की थी।

भाजपा सांसद के 'हमले' के शिकार बने पूर्व सैनिक को मिल रही हैं धमकियां : देशमुख

मुंबई। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को कहा कि जलगांव जिले के जिस पूर्व सैनिक को भाजपा सांसद उन्मेश पाटिल और उनके समर्थकों ने कुछ वर्ष पहले कथित तौर पर पीटा था, उन्हें धमकियां मिल रही हैं। देशमुख ने पुलिस से मामले की जांच करने को कहा। देशमुख ने पूर्व सैनिक को मिल रही धमकियों की ट्विटर पर निंदा की और कहा कि उन्होंने जलगांव पुलिस को इस सिलसिले में जांच शुरू करने के निर्देश दिए हैं। देशमुख ने इससे पहले कहा था कि पाटिल और उनके साथियों ने पूर्व सैनिक सोनू महाजन पर 2016 में जानलेवा हमला किया था। तब पाटिल विधायक थे। राकांपा नेता देशमुख ने आरोप लगाया कि घटना के बाद पूर्व सैनिक पुलिस के पास गए थे लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की क्योंकि तब (2014-2019) भाजपा सत्ता में थी। मंत्री ने कहा कि इसके बाद महाजन बंबई उच्च न्यायालय गए जिसने कथित घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। तत्कालीन भाजपा सरकार पूर्व सैनिक महाजन को न्याय नहीं दिला पाई। देशमुख ने कहा कि जब से 2016 के इस मामले की जांच के आदेश हुए हैं तब से पूर्व सैनिक को धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिक को न्याय दिलाएगी।

विपक्षी दलों ने कृषि विधेयकों को लेकर संसद भवन परिसर में किया प्रदर्शन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने हाल ही में पारित कृषि संबंधी विधेयकों को लेकर बुधवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। विपक्षी दलों के कई राज्यसभा सदस्यों ने दोपहर के समय संसद परिसर में मौन प्रदर्शन किया तो शाम के समय विपक्ष के कई लोकसभा सदस्यों ने प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन कर रहे सांसद अपने हाथों में तख्तियां लिये हुए थे जिन पर 'किसानों को बचाओ, मजदूरों को बचाओ, लोकतंत्र को बचाओ' जैसे नारे लिखे थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान राज्यसभा के विपक्षी सांसदों ने संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिभा से भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा तक मार्च निकाला। वे कुछ देर महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने कतारबद्ध होकर खड़े हुए।

कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, भाकपा, माकपा, द्रमुक, राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा, '' कांग्रेस और समान विचार वाले दलों के सभी सांसदों ने किसान विरोधी और मजदूर विरोधी विधेयकों के खिलाफ गांधी प्रतिमा से अंबेडकर प्रतिमा तक विरोध प्रदर्शन किया जिन्हें मोदी सरकार ने अलोकतांत्रिक ढंग से संसद में पारित कराया।'' लोकसभा की कार्यवाही शाम छह बजे आरंभ होने से पहले कांग्रेस, द्रमुक और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष धरना दिया और कृषि विधेयकों को वापस लेने की मांग करते हुए सरकार के विरोध में नारेबाजी भी की।

इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, गौरव गोगोई और शशि थरूर, द्रमुक के टीआर बालू एवं कनिमोई और कई अन्य दलों के सांसदों ने हिस्सा लिया। विभिन्न विपक्षी दल कृषि संबंधी विधेयकों के संसद में पारित किये जाने का विरोध कर रहे हैं और उन्होंने संसद की कार्यवाही का भी बहिष्कार किया है। उन्होंने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को पत्र लिखकर उनसे इन विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं करने का अनुरोध किया है।

सुप्रिम कोर्ट ने फेसबुक को दी राहत, 15 अक्टूबर तक दंडात्मक कार्रवाई पर लगाई रोक

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा की समिति को निर्देश दिया कि फेसबुक इंडिया के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजित मोहन को उत्तर पूर्वी दिल्ली के दंगों के बारे में गवाही देने के लिये जारी सम्मन के सिलसिले में उनके खिलाफ 15 अक्टूबर तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। विधानसभा की समिति कथित नफरत फैलाने वाले भाषण के मामले में सोशल मीडिया के इस प्लेटफॉर्म की भूमिका की जांच कर रही है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने विधानसभा सचिव, कानून एवं न्याय मंत्रालय, गृह मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, लोकसभा तथा राज्यसभा को उनके महासचिवों के माध्यम से और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किये। पीठ ने इन सभी से जवाब मांगे हैं। शीर्ष अदालत ने मोहन और अन्य की याचिका पर यह आदेश दिया। इस याचिका में विधानसभा की शांति और सद्भाव समिति द्वारा 10 और 18 सितंबर को जारी नोटिस को चुनौती दी गयी है। इन नोटिस में उन्हें फरवरी में हुये दंगों के दौरान नफरत फैलाने वाले भाषण प्रसारित करने की जांच कर रही सद्भावना समिति के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया है।

नरोत्तम मिश्रा की 'मैं मास्क नहीं पहनता' टिप्पणी पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, पूछा- क्या कायदे बस आम लोगों के लिए हैं ?

इंदौर। (एजेंसी)।

मध्यप्रदेश में कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के बीच सूबे के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को बेपरवाह लहजे में कहा कि वह किसी भी कार्यक्रम में मास्क नहीं पहनते हैं। उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विपक्षी कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा पर सवाल दागा है कि क्या कोविड-19 से बचाव के नियम-कायदे केवल आम लोगों पर लागू होते हैं? मिश्रा, प्रदेश सरकार की गरीब कल्याण आधारित सम्बल योजना से जुड़े कार्यक्रम में भाग लेने इंदौर आये थे।

इस कार्यक्रम में उनके मास्क नहीं पहनेने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मैं किसी भी कार्यक्रम में (मास्क) नहीं पहनता। इसमें क्या होता है ? गृह मंत्री से जब पूछा गया कि क्या वह किसी विशेष कारण से मास्क नहीं पहनते, तो उन्होंने दो टूक जवाब दिया कि वह इसे पहनते ही नहीं हैं। मिश्रा के पास जेल, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी कार्य विभाग भी है। जब वह संवाददाताओं से बात कर रहे थे, तब भी उन्होंने मास्क नहीं पहन रखा था। हालांकि, उनके पास ही खड़े राज्य के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और अन्य भाजपा नेताओं ने महामारी से बचाव के लिये मास्क पहना हुआ था।

उधर, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने मास्क नहीं पहनने को लेकर मिश्रा के बयान के वायरल वीडियो को ट्वीट करते हुए लिखा कि है कोई माई का लाल जो नियमों के उल्लंघन पर इन पर कार्रवाई का साहस दिखा सके ? नियम सिर्फ जनता के लिये ? इंदौर, राज्य में कोविड-19 से सबसे ज्यादा प्रभावित ज़िला है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक इंदौर जिले में अब तक महामारी के कुल 20,834 मरीज मिले हैं। इनमें से 516 मरीजों की मौत हो चुकी है। इंदौर नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि शहर के सार्वजनिक स्थानों पर मास्क नहीं पहनने वाले लोगों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इन जगहों पर मास्क नहीं पहनने वाले हर व्यक्ति से मौके पर ही 200 रुपये का जुर्माना वसूला जा रहा है।

पवार को नोटिस पर चुनाव आयोग ने कहा, हमने सीबीडीटी को नहीं दिया कोई निर्देश

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि उसने रांकापा प्रमुख शरद पवार को उनके चुनावी हलफनामों के सिलसिले में नोटिस जारी करने के लिए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को कोई निर्देश नहीं दिया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता पवार ने मंगलवार को कहा था कि आयकर विभाग ने उन्हें चुनाव आयोग को जमा किये गए उनके चुनावी हलफनामों के सिलसिले में नोटिस भेजा है। पवार ने पत्रकारों से कहा था कि आयकर विभाग ने उनसे उनके कुछ चुनावी हलफनामों के सिलसिले में ''स्पष्टीकरण एवं जवाब'' मांगा है।

उन्होंने कहा, '' कल मुझे नोटिस मिला...हम खुश हैं कि वह (केन्द्र) सभी सदस्यों में से, हमें प्यार करता है... आयकर विभाग ने तब नोटिस जारी किया जबचुनाव आयोग ने उससे ऐसा करने को कहा....हम नोटिस का जवाब देंगे।'' चुनाव आयोग ने मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए एक बयान में कहा, '' भारत चुनाव आयोग ने श्री पवार को नोटिस जारी करने के लिए सीबीडीटी को ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया है।

राष्ट्रपति से मिले नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद, कृषि विधेयकों को वापस भेजने का आग्रह किया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने बुधवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात के बाद कहा कि संसद में कृषि संबंधी विधेयकों को 'असंवैधानिक' तरीके से पारित किया गया है इसलिए राष्ट्रपति को इन विधेयकों को संतुति नहीं देकर इनको वापस भेजना चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि रविवार को राज्यसभा में हंगामे के लिए विपक्ष नहीं बल्कि सरकार जिम्मेदार है। आजाद ने कई विपक्षी नेताओं की मौजूदगी में संवाददाताओं से कहा, ''सोमवार को करीब 18 दलों के नेताओं ने सहमति जताई थी कि राष्ट्रपति से मिलकर उन्हें इससे अवगत कराया जाए कि किस तरह तरह से राज्यसभा में किसानों से संबंधित विधेयक पारित कराया गया।''

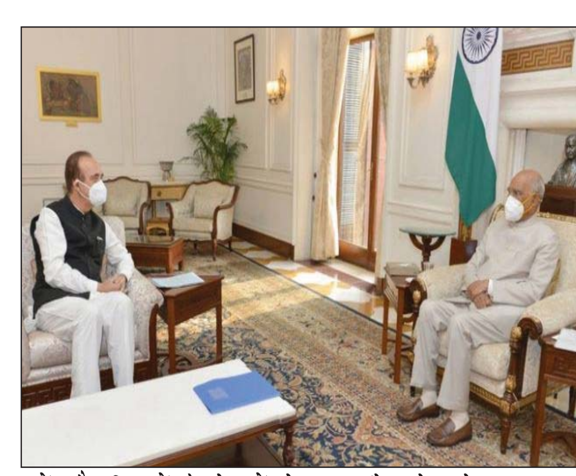

उनके मुताबिक, किसानों से संबंधित विधेयकों को सब लोगों से बातचीत करने के बाद लाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों और किसानों के नेताओं से बातचीत करके ऐसा कानून लाना चाहिए था। ऐसा करने से किसान खुश होता। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से सरकार ने इन विधेयकों को स्थायी समिति और प्रवर समिति के पास नहीं भेजा। अगर भेजा होता तो बेहतर होता।'' आजाद ने दावा किया, ''सदन में हंगामे के लिए विपक्ष जिम्मेदार नहीं है। सरकार जिम्मेदार है। किसी तरह का मतदान नहीं हुआ। संविधान, नियम और कानूनों की धज्जियां उड़ाई गईं।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''हमने राष्ट्रपति से आग्रह किया है कि ये विधेयक सलीके से पारित नहीं हुआ है, यह असंवैधानिक है। इस विधेयक को वापस भेज दें ताकि इस पर दोबारा चर्चा हो और मतदान हो। मैंने यह भी कहा कि वह इन विधेयकों को संतुति नहीं दें।'' उन्होंने यह भी कहा, ''राष्ट्रपति जी ने कहा कि वह हमारी ओर से रखी गई बातों पर गौर करेंगे।'' इससे पहले विपक्ष की कई विपक्षी पार्टियों ने इन मुद्दों को लेकर राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा था।

लॉकडाउन के दौरान रद्द हुई हवाई टिकटों के रिफंड पर सुप्रिम कोर्ट ने केंद्र से मांगा नया हलफनामा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केन्द्र से कहा कि वह कोविड-19 महामारी के दौरान उड़ानें रद्द होने के मद्देनजर विमान यात्रियों और ट्रैवेल एजेन्टों को टिकटों के पैसों की वापसी के तरीके के बारे में शुक्रवार तक स्थिति स्पष्ट करे। शीर्ष अदालत ने केंद्र को विमान यात्रियों के टिकटों का पैसा लौटाने के तरीके के संबंध में 25 सितंबर तक नया हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने स्वीकार किया कि मौजूदा हलफनामा ठीक से तैयार नहीं किया गया है। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने कहा कि उसका सरोकार धन लौटाने और लॉकडाउन के दौरान बुक किये गये टिकटों का पैसा नहीं लौटाने के सवाल तक सीमित है।

गैर सरकारी संगठन 'प्रवासी लीगल सेल' की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि अगर कोई एयर इंडिया और इंडिगो आदि विमान से यात्रा के लिये टिकट बुक कराता है, भारत से बाहर जाता है तो उसी स्थिति में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय का यह हलफनामा लागू होगा। उन्होंने कहा कि महानिदेशालय को उन लोगों को भी धन वापसी के लिये इसमें शामिल करना चाहिए जिन्होंने खाड़ी के देशों जैसे गंतव्यों से भारत लौटने के लिये टिकट बुक कराये थे। इसलिए इस विवाद को हल करने की आवश्यकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए की ओर से सालिसीटर जरनल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार ने सभी की भलाई को ध्यान में रखते हुये टिकटों का पैसा लौटाने का फैसला लिया है और इसका उचित समाधान निकाल लिया जायेगा। मेहता ने कहा कि यात्रियों और विमान कंपनियों के हितों को ध्यान में रखते हुये ही निर्णय लिया गया है। पीठ ने सालिसीटर जनरल से जानना चाहा कि मान लीजिये कि लॉकडाउन से एक दिन पहले एक यात्री लॉकडाउन के दौरान यात्रा के लिये टिकट बुक कराता है तो उसकी टिकट के पैसे की वापसी का क्या होगा। मेहता ने कहा कि उसे तत्काल पैसा वापस नहीं मिलेगा। इस पर पीठ ने जानना चाहा कि उन ट्रैवेल एजेन्टों का क्या होगा जिन्होंने बुक कराये गये टिकटों के लिये पहले ही भुगतान कर दिया है। पीठ ने मेहता से कहा, ''आप कहते हैं कि यात्री को क्रेडिट लाभ मिलेगा लेकिन ट्रैवेल एजेन्ट के मामले में क्या होगा अगर यात्री को बुक कराये गये टिकट का अभी भुगतान करना हो तो।'' एयर विस्तारा और एयर एशिया की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पिनाकी मिश्रा ने कहा कि आमतौर पर ट्रैवल एजेन्ट विमान कंपनियों के पास एक करोड़ रूपए तक धन जमा करा देते हैं और प्रत्येक टिकट बुक होने पर इसमें शेष कम होता जाताहै। उन्होंने कहा कि अगर यात्री ने अभी तक टिकट का पैसा नहीं दिया है तो विमान कंपनियों के पास जमा धन में से ट्रैवेल एजेन्ट को वापस मिलेगा। पीठ ने टिकट का पैसा लौटाने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा के दौरान मेहता से जानना चाहा कि अगर ट्रैवल एजेन्ट के माध्यम से टिकट बुक कराया गया हो तो क्या धन वापसी का वाउचर उन्हें नहीं दिया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान पैसेन्जर्स एसोसिएशन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सी ए सुन्दरम, ट्रैवल एजेन्ट्स फेडरेशन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पल्लवसिसोदिया और कुछ विमान कंपनियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने भी दलीलें पेश कीं। न्यायालय ने नौ सितंबर को केन्द्र से जानना चाहा था कि क्या वह कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान विमान यात्रा के लिये बुक कराये गये टिकटों का पूरा पैसा वापस करने के लिये तैयार है। पीठ ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिये इस मामले की सुनवाई के दौरान नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के हलफनामे का जिक्र किया था जिसमें कहा गया था कि लॉकडाउन के दौरान बुक किये गये टिकटों का पूरा पैसा विमान कंपनियों द्वारा लौटाया जायेगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन ने कोरोना को लेकर छुपाए ये खतरनाक सच, WHO भी साजिश में शामिलः चीनी वैज्ञानिक

बीजिंग:

चीन की कोरोना वायरस साजिश को लेकर एक चीनी वैज्ञानिक ने सनसनीखेज खुलासा किया है। इस चीनी वैज्ञानिक का दावा है कि तीन सरकार ने कोरोना को लेकर पूरी दुनिया को गुमराह किया और उसकी इस साजिश में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) भी शामिल है। वायरोलॉजिस्टक डॉ. मेंग यान ने दावा किया है कि 'वुहान में एक सरकारी प्रयोगशाला में घातक कोरोना वायरस विकसित किया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार बखूबी जानती थी कि कोविड-19 लोगों के बीच तेजी से फैल रहा है।' WION को दिए एक इंटरव्यू के दौरान चीनी वायरोलॉजिस्ट ने कहा कि वुहान में इसके शुरुआती मामले सामने आने के बाद उन्होंने इस वायरस की उत्पत्ति के संबंध में शुरुआती जांच की थी। इसमें पता चला कि चीन ने वुहान में इस मामले को दबाने के लिए कवर-अप ऑपरेशन भी चलाया और जनता में जानकारी से पहले ही इसके प्रसार के बारे में चीनी सरकार बखूबी जानती थी। डॉ. यान के अनुसार WHO को भी इस कवर-अप के बारे में जानकारी थी। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने दुनिया की आंखों में धूल झोंकने के लिए इस थ्योरी को प्रचारित किया कि ये वायरस वुहान के पशु बाजार से फैला। कोविड-19 संक्रमण के प्रकोप को लेकर चीनी सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाली वायरोलॉजिस्ट डॉक्टर ली मेंग यान ने दावा किया है कि 'सरकार को सब मालूम था कि क्या हो रहा है और क्या होने वाला है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग कोविड-19 के प्रकोप को छिपाने में शामिल थे। सबसे खतरनाक बात यह है कि जो चीनी सरकार के दबाव में जो लोग या डाक्टर इस वायरस की स्थिति जानते थे वे भी चुप थे । ' ली यान ने आगे कहा, 'मैंने 31 दिसंबर से वुहान के डॉक्टर्स से संपर्क साधना शुरू किया था और कोविड-19 के प्रकोप के बारे में आगाह करने की कोशिश की थी लेकिन वे काफी डरे हुए थे और कह रहे थे कि इसके बारे में बात मत करो और बस एक मास्क पहन लो।'

संयुक्त राष्ट्र में रूस ने कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए रखा बड़ा प्रस्ताव

संयुक्त राष्ट्र.

कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए रूस ने संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक अगुवाई के संकेत देते हुए बड़ा ऐलान किया है। रूस ने कहा है कि 'वह संयुक्त राष्ट्र संघ और उसके कार्यालयों में तैनात कर्मचारियों के स्वैच्छिक टीकाकरण के लिए अपनी कोरोना वैक्सीन 'स्पुतनिक वी' निशुल्क देने के लिए तैयार है।' यूएन महासभा की 75वीं सालगिरह के मौके पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि मास्को की ओर से जल्द ही उन देशों के लिए एक वर्चुअल कांफ्रेंस का आयोजन होगा, जो एंटी-कोरोनावायरस टीकों के विकास में सहयोग करना चाहते हैं। पुतिन ने रूस द्वारा विकसित दुनिया की पहली कोरोना वैक्सीन 'Sputnik V' के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पुतिन ने कहा कि रूस की ये खोज दुनिया के लिए पूरी तरह सुरक्षित, प्रभावशाली और भरोसा करने लायक है। पुतिन ने कहा कि रूस सरकार 'Sputnik V' वैक्सीन को बनाने में अपने अनुभव को उन देशों के साथ बांटना चाहती है जो इस दिशा में काम कर रहें हैं और उनके देश की बनाई गई वैक्सीन में दिलचस्पी रखते हैं। उन्होने कहा कि रूस के पास पूरी क्षमता है, तभी उसने सबसे पहले इस वैक्सीन को दुनिया के सामने रखा. ताकि दुनिया के भविष्य को सुरक्षित रखा जा सके। पुतिन ने कहा कि कोरोना महामारी की वजह से दुनिया की अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान हो चुका है इसलिए रूस जल्द से जल्द वैश्विक समस्या का समाधान निकालने के लिए सहयोग देने को तैयार है। खासकर वो देश जो वैक्सीन विकसित करने की दिशा में बढ़ चुके हैं क्योंकि पूरी दुनिया में वैक्सीन पहुंचाने की चुनौती का रास्ता भी अभी से बनाना होगा। पुतिन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की क्षमता को गुणात्मक रूप से मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर कोरोना महामारी का संक्रमण रोकने के लिए प्रभावी तरीके से मुहिम चला रहा है इसलिए उन्हे कई देशों का सहयोग मिला तो कोरोना महामारी को जल्द से जल्द खत्म करने में आसानी होगी।

नेपाल में चीनी कब्जे के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, बोले- 'बैक ऑफ चाइना'

इंटरनेशनल डेस्क:

चीन और भारत का सीमा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है, इसी बीच अब चीन की विस्तारवाद की नापाक हरकत नेपाल में भी शुरू हो गई है। चीन के इशारे पर भारत विरोधी एजेंडे में जुटी नेपाल की केपी ओली सरकार को ड्रैगन ने ऐसा झटका दिया कि वह कुछ बोल नहीं पा रही है। वहीं दूसरी ओर लोग इसका विरोध कर रहे है। दरअसल अब चीन ने नेपाल की जमीन पर कब्जा कर लिया है। चीन के इस कब्जे के खिलाफ काठमांडू स्थित चीनी दूतावास के बाहर लोग सड़कों पर उतर कर चीन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे है। बताया जा रहा है कि लोग लगातार ÷बैक ऑफ चाइना÷ का नारा लगा रहे हैं।

बालूवाटर स्थित चीनी दूतावास के बाहर लोगों ने हाथों में तख्तियां लिए नारेबाजी की। इस बीच चीनी दूतावास के बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर भी प्रदर्शन की तस्वीरें और वीडियो साझा किए जा रहे हैं और इसके साथ ही लोग चीनी अतिक्रमण के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। बता दें नेपाल के हुम्ला जिले में सीमा स्तम्भ से दो किमी भीतर नेपाली चीन के सैनिकों ने कब्जा किया है। चीन इस इलाके में 9 भवनों का निर्माण कर चुका है और इसके साथ ही नेपाली नागरिकों के यहां आने पर भी रोक लगा दिया है।

चीन को खुश करने लिए गिलगित-बाल्टिस्तान को राज्य बनाना चाहता है पाकिस्तानः अमजद मिर्जा

जिनेवा। गिलगित बाल्टिस्तान के एक राजनीतिक कार्यकर्ता डा. अमजद मिर्जा ने कहा है कि गिलगिट-बाल्टिस्तान क्षेत्र पर अवैध कब्जा जमाए बैठा पाकिस्तान अब इसके दर्जे को बढ़ाकर अपना पांचवां पूर्ण राज्य बनाने की फिराक में है। चीन को खुश करने के लिए इमरान सरकार किसी भी दिन इसकी घोषणा कर सकती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को चीन ने गिलगित बाल्टिस्तान पर कब्जा करने के लिए मजबूर किया है क्योंकि वह अरबों डॉलर की अपनी महत्वकांशी ष्टक्कश्वष्ट परियोजना को हर हाल में पूरा करना चाहता है। जबकि इस क्षेत्र के लोग इसका विरोध कर रहे हैं और इमरान सरकार उदासी है। दरअसल भारत द्वारा जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को समाप्त करने के बाद से पाकिस्तान और चीन को तीव्र दबाव का सामना करना पड़ रहा है। ÷ डॉ मिर्ज़ा का मानना है कि पाकिस्तान के लिए गिलगित बाल्टिस्तान पर कब्जा करना और इसे पाँचवाँ प्रांत बनाना आसान नहीं है क्योंकि गिलगित बाल्टिस्तान कश्मीर मुद्दे का हिस्सा है, जो संयुक्त राष्ट्र में लंबित है। CPEC चीन की महत्वाकांक्षी मल्टी-बिलियन-डॉलर बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) की प्रमुख परियोजना है। भारत ने परियोजना को लेकर चीन का विरोध किया है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर जा रहा है। भारत पहले ही पाकिस्तान को साफ शब्दों में बता चुका है कि गिलगिट-बाल्टिस्तान पर उसका कोई अधिकार नहीं है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का पूरा इलाका भारत का अभिन्न अंग है, जो कि विधि सम्मत और अपरिवर्तनीय है। पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके में ठोस बदलाव करने के इस्लामाबाद की कोशिशों का मई में भारत ने कड़ा विरोध किया था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि पाकिस्तान सरकार और उसकी न्यायपालिका का अवैध रूप से कब्जाए गए इन इलाकों पर कोई अधिकार नहीं है।

पेरिस में एफिल टावर पर बम की खबर, पुलिस ने खाली कराई जगह

इंटरनेशनल डेस्क: फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित ऐफिल टावर को बम की धमकी मिलने के बाद खाली कराया गया है। एफिल टावर जो दुनिया के सात अजूबों में गिना जाता है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर बम होने की सूचना दी, जिसके बाद पूरे परिसर को खाली कराया गया। फ्रांस मीडिया में जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने सर्च अभियान शुरू कर दिया है। आसपास की सड़कों को बंद कर दिया गया है। लोगों को इलाके से दूर रहने को कहा गया है।

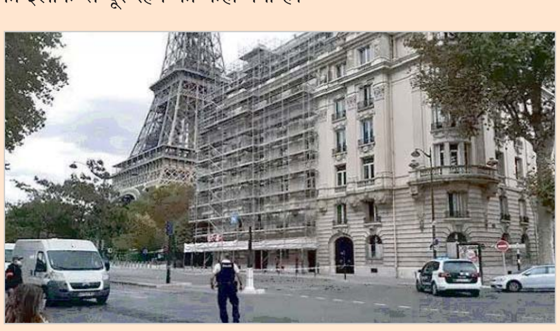

छठी पीढ़ी के विमान बनाने के मामले में अमेरिका से पीछे है चीनः रिपोर्ट

इंटरनेशनल डेस्क:

नई पीढ़ी के युद्धक विमान डिजाइन करने और उनका उत्पादन करने के मामले में अमेरिका की बराबरी करने की कोशिश कर रहा चीन छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने के मामले में अमेरिकी वायुसेना से कई वर्ष पीछे है। समाचार पत्र 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने बुधवार को कहा कि छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान के मामले में अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है और अमेरिकी वायुसेना ने कहा है कि उसने एक ऐसा नमूना उड़ाया है, जो मील का पत्थर है और चीन को इसे हासिल करने में अभी कई वर्ष लगेंगे। अमेरिका के पास पांचवीं पीढ़ी के दो विमान हैः 'लॉकहीड मार्टिन एफ-22' और 'एफ-25'। हालांकि चीन विमान के इंजन बनाने के मामले में काफी पीछे है, लेकिन उसने रडार की पकड़ में न आने वाले विमान के साथ ही चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमान जे-20 समेत नई पीढ़ी के कई लड़ाकू विमान बनाए हैं। उसके उन्नत विमानों में जे-15 के अलावा सुखोई-27, सुखोई-30केके और सुखोई-35एस समेत रूस के सुखोई विमान शामिल हैं। चीन के पास अभी एक विमान वाहक पोत लियाओनिंग है। इसके अलावा देश में बने एक विमान वाहक शानदोंग का परीक्षण चल रहा है और तीसरे विमान वाहक का निर्माण किया जा रहा है। आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन छह विमान वाहक पोत बनाना चाहता है। हालांकि चीन विमानों के उन्नयन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, लेकिन चीन के नई पीढ़ी के विमान मुख्य रूप से रूसी इंजनों पर निर्भर हैं।

चीन के पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान चेंगदु जे-20 को 2017 में सेवा में शामिल किया गया था। जी-20 का निर्माण करने वाले चेंगदु एयरक्राफ्ट इंडस्ट्री गुप के चीफ डिजाइनकर वांग हैफेंग ने पुष्टि की है कि चीन ने अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान पर काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि 2035 में या इससे पहले आप इन प्रयासों को शक्तिशाली हथियारों में बदलते देखेंगे, जो हमारे वायु क्षेत्र की रक्षा करेंगे।''

चीन धमकाए नहीं, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत और अमेरिका के हित साझे : बाइडेन

वाशिंगटन:

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा कि नियमों पर आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत एवं अमेरिका के मजबूत साझे हित हैं, जहां चीन समेत कोई भी किसी को धमकाए नहीं। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका बेहतर भविष्य के लिए क्षेत्र को निश्चित ही आकार दे सकते हैं। बाइडेन ने चुनाव प्रचार के लिए चंदा एकत्र करने के मकसद से भारतीय अमेरिकियों के लिए आयोजित एक डिजिटल कार्यक्रम में कहा, ''नियमों पर आधारित ऐसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका और भारत के मजबूत साझे हित हैं, जहां चीन समेत कोई भी देश अपने पड़ोसियों को डराता-धमकाता नहीं हो।'' इस कार्यक्रम में 268 लोग शामिल हुए। बाइडेन ने आरोप लगाया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चीन के लिए ऐसे समय में जगह बना रहे हैं, जब वह हिंद प्रशांत में अपने पड़ोसियों और अमेरिकी नेतृत्व को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने पूर्व सर्जन डॉ. विवेक मूर्ति के साथ संवाद के दौरान कहा, ''हम बेहतर भविष्य के लिए हिंद-प्रशांत की व्यवस्था को निश्चित ही आकार दे सकते हैं। हम इसे दुरुस्त कर सकते हैं। यह चुनाव हमारा भविष्य तय करेगा।'' बाइडेन ने पहले अमेरिकी सांसद और फिर देश के उपराष्ट्रपति के रूप में भारत के साथ अपने पुराने संबंधों एवं कई दशकों में किए अपने कार्य का जिक्र करते हुए कहा कि उनका प्रशासन दोनों देशों के संबंधों को महत्व देना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, ''यह तस्वीर खिंचाने या हाथ मिलाने का अवसर खोजने का समय नहीं, बल्कि चीजें करके दिखाने की बात है।'' बाइडेन ने कहा कि उन्होंने 15 साल पहले रिपब्लिकन पार्टी के सांसद रिचर्ड लुगर के साथ सीनेट विदेश संबंध समिति का नेतृत्व किया था और ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते को मंजूरी दी था।

उन्होंने कहा, ''मैंने कहा था कि भारत और अमेरिका जब निकट मित्र बनेंगे, तो दुनिया अधिक सुरक्षित होगी। उपराष्ट्रपति के रूप में सात साल पहले मैंने मुंबई में एक कारोबारी से कहा था कि अमेरिका और भारत की साझीदारी 21वीं सदी में महत्वपूर्ण संबंध साबित होगी।'' बाइडेन ने कहा, ''मैं यह अब नहीं कह रहा, मैंने तब यह कहा था और मैं वाकई ऐसा ही मानता हूं।'' उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति के तौर पर भी इस पर भरोसा करना जारी रखेंगे। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, ''मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि ऐसा हो।'

' बाइडेन ने कहा कि वह क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ भारतीयों के साथ खड़े रहने, भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने, दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन एवं वैश्विक स्वास्थ्य जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने की बात लंबे समय से करते आए हैं।

चीन ने कोरोना फैलाने को लेकर ट्रंप के नए आरोप किए खारिज, कहा-'हम पर झूठे इल्जाम लगे'

बीजिंग: चीन ने विश्वभर में कोविड -19 संक्रमण फैलाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नये आरोपों का जोरदार विरोध करते हुए कहा है कि यह बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित है। चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी करके कहा ,'' यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिकी पक्ष ने कोरोना को लेकर देश पर आधारहीन आरोप लगाए हैं। उसने हमारे खिलाफ भ्रांतियां फैलाने और हमें कमतर आंकने के लिए संयुक्त राष्ट्र को मंच की तरह इस्तेमाल किया है। उसका यह कदम राजनीति से प्रेरित है। हम उसके आरोपों का जोरदार रूप से खंडन करते हैं।' कोविड-19 को विश्व भर में फैलाने को लेकर एक बार फिर श्री ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के 75 साल पूरे होने के अवसर पर मंगलवार को चीन पर तेज हमले किये थे। उन्होंने वर्चुअली मंच को संबोधित करते हुए कहा था कि कोरोना वायरस के संक्रमण के लिए संयुक्त राष्ट्र चीन को जिम्मेदार ठहराए। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस वैश्विक मंच पर चीन का पूरा नियंत्रण है इसलिए डब्लूएचओ ने झूठ कहा कि कोरोना वायरस के मानव निर्मित होने के सबूत नहीं हैं।

UNGA में ट्रंप ने चीन को सुनाई खरी-खरी, कहा- 'चीनी वायरस' है न कि इटली में कोई खूबसूरत जगह'

वॉशिंगटन।

कोरोना वायरस महामारी को लेकर संयुक्त राष्ट्र आम सभा (UNGA) के मंच पर भी चीन अपनी करतूतों के लिए एक बार फिर दुनिया के सवालों का सामना करता दिखा। संयुक्त राष्ट्र की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आम बहस के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर निशाना साधते हुए कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण के लिए संयुक्त राष्ट्र (UN) चीन को जिम्मेदार ठहराए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की भूमिका पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि WHO पर चीन का पूरा नियंत्रण है, इसीलिए WHO ने वायरस को लेकर गलत बयान दिए। ट्रंप ने कहा, 'वायरस के शुरुआती दिनों में, चीन और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने झूठा दावा किया कि मानव-से-मानव संचरण का कोई सबूत नहीं है। WHO वास्तव में चीन द्वारा नियंत्रण में है'। इससे पहले, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने छह दिवसीय आम बहस की शुरुआत करते हुए अमेरिका और चीन के बीच चल रहे शीत युद्ध को रोकने के लिए दुनिया से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संघर्ष रुकना चाहिए, ताकि COVID-19 महामारी पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया जा सके। कोरोना के खतरे के मद्देनजर इस साल संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस वर्चुअल रूप से हो रही है। इसके बावजूद UN की इमारत के सामने न्यूयॉर्क पुलिस भारी संख्या में उपस्थित रही। पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने अपने समर्थकों से अपील की कि यह 'चीनी वायरस' है इसे 'कोरोना वायरस' न बोलें क्योंकि यह नाम सुनने में इटली में कोई 'खूबसूरत स्थान' जैसा लगता है। उन्होंने कहा कि अगर वह दोबारा निर्वाचित होते हैं तो अगले चार वर्ष में उनका प्रशासन अमेरिका को उत्पादन के क्षेत्र में दुनिया का महाशक्ति बना देगा और अमेरिका की 'चीन पर निर्भरता को हमेशा के लिए खत्म कर देगा।' उन्होंने तीन नवंबर को होने वाले चुनाव को 'आर्थिक अस्तित्व का मुद्दा' करार देते हुए कहा कि महामारी से पहले अमेरिका आर्थिक स्तर पर अच्छा कर रहा था। उन्होंने कहा, ' आपका पिछला साल काफी अच्छा रहा था और आप अपने रास्ते पर सही जा रहे थे-चीन ने जो किया उससे मैं बेहद दुखी हूं। उन्होंने महामारी को फैलने दिया। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था।

संक्षिप्त समाचार

UAE में फंसा भारतीय नागरिक दो दशक बाद घर लौट सकेगा, देढ़ करोड़ रूपये का जुर्माना माफ

दुबई: संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रह रहा एक भारतीय नागरिक दो दशक बाद स्वदेश लौट पाएगा। वक्त से ज्यादा रुकने के सिलसिले में उसपर लगाया गया करीब देढ़ करोड़ रूपये का जुर्माना माफ कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। तानावेल मथियाझांगन (56) को वर्ष 2000 में एक एजेंट ने नौकरी दिलाने के वादे के साथ यूएई भेजा था। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार एजेंट के पास ही मथियाझांगन का पासपोर्ट था और कुछ दिन बाद एजेंट लापता हो गया। इसके बाद उसे भारत में अपने परिवार के भरण पोषण के लिए यूएई में अवैध रूप से रहना पड़ा और अंशकालिक नौकरी करनी पड़ी। खबर के अनुसार तमिलनाडु के रहने वाले इस व्यक्ति ने कोविड-19 महामारी के दौरान घर लौटने के लिए में दो सामाजिक कार्यकर्ताओं से मदद मांगी। उसके पास दस्तावेज के नाम पर उसका रोजगार वीजा प्रवेश परमिट और पासपोर्ट के अंतिम पृष्ठ की एक प्रति थी। अबू धाबी में भारतीय दूतावास के माध्यम से मथियाझांगन को एक आपातकालीन प्रमाण पत्र दिलाने में मदद करने वाले एके महादेवन और चंद्र प्रकाश ने कहा कि वह महामारी के दौरान भारत से पहचान मंजूरी प्राप्त करने में नाकाम रहे थे क्योंकि पास्टपोर्ट में दर्ज पिता के नाम और स्वदेश में दस्तावेजों में दर्ज नाम में असमानता थी। आपात प्रमाणपत्र ऐसे भारतीयों को जारी किए जाते हैं जिनके पास वैध पासपोर्ट नहीं होते। इस प्रमाणपत्र के जरिए वह घर लौटने के लिए यात्रा कर सकते हैं। खबर में कहा गया कि महादेवन और प्रकाश ने गलती सुधारने के लिए भारतीय दूतावास और मथियाझांगन के गांव में स्थानीय विभागों से संपर्क किया। अखबार ने प्रकाश के हवाले से कहा, यूएई में भारतीय राजदूत पवन कपूर को जब इस मामले से अवगत कराया गया तो उन्होंने इसे हल करने में विशेष रुचि दिखाई।

दुनिया में कोरोना के 3.17 करोड़ केसः अमेरिका में 2 लाख से अधिक मौतें, चीन में कोई नया मामला नहीं

इंटरनेशनल डेस्क: कोरोना वायरस से बेहाल दुनिया में संक्रमितों का आंकड़ा 3.17 करोड़ के पार हो चुका है जबकि अब तक 9 लाख 74 हजार 620 मौतें हो चुकी हैं। हालांकि ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 2 करोड़ 33 लाख 82 हजार 126 से ज्यादा हो चुकी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश में कोरोना से हुई 2 लाख मौतों को शर्मनाक बताया है। उनके मुताबिक, सरकार ने बढ़ते मामलों को रोकने के लिए कई तरह के उपाय किए हैं। द गार्डियन ने इस बात की जानकारी दी है। मंगलवार को व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत में एक ट्रंप ने यह टिप्पणी की। एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा था- देश में कोरोनावायरस से 2 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। आप इस पर क्या कहेंगे? इस पर ट्रंप ने कहा- मेरे हिसाब से तो यह शर्मनाक है। लेकिन, मैं ये भी कहूंगा कि अगर हम सही वक्त पर सही कदम नहीं उठाते यह आंकड़ा ढाई लाख से ज्यादा हो सकता था। आपने यूएन में मेरा भाषण देखा होगा। चीन अगर चाहता तो कोरोना को अपने देश से बाहर नहीं देता। उन्होंने इस वायरस को दुनिया के हर हिस्से तक पहुंचाया।

ब्रिटेन में 6 महीने और जारी रह सकते हैं प्रतिबंध

ब्रिटेन में संक्रमण की दूसरी लहर की पुष्टि खुद प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन कर चुके हैं। अब खबर है कि ब्रिटेन में सरकार ने जो प्रतिबंध लगाए हैं वे 6 महीने तक भी जारी रह सकते हैं। हालांकि, लोग इसका विरोध कर रहे हैं। शादियों और खेल आयोजनों पर लगे प्रतिबंध भी जारी रह सकते हैं। मंगलवार को एक प्रोग्राम के दौरान बोरिस ने कहा- फुटबॉल मैचों के बारे में फिर से विचार किया जाएगा। वहां बहुत ज्यादा लोग जुटते हैं। अंतिम संस्कार में 30 से ज्यादा लोग नहीं आ सकेंगे। मास्क अनिवार्य होगा। लंदन और देश के बाकी हिस्सों में चलने वाली टैक्सियों को लेकर भी नई गाइडलाइन्स जारी की जा सकती हैं।

चीन में कोरोना का कोई नया मामला नहीं

चीन में बुधवार को वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का स्थानीय स्थांतरण का कोई नया मामला दर्ज नहीं किया गया लेकिन इस दौरान देश में दस बाहरी कोरोना मामलों की पुष्टि की गई। राष्ट्रीय स्वास्थ आयोग ने बताया कि देश में स्थानीय स्थांतरण का एक भी मामला सामने नहीं आया है जबकि कोरोना के दस बाहरी मामलों की पुष्टि की गई। वही इस दौरान किसी भी व्यक्ति की कोरोना के कारण मौत नहीं हुई है। आयोग के अनुसार देश में फिलहाल 168 मरीजों का उपचार किया जा रहा है जबकि मंगलवार तक 80,505 मरीज पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। चीन में कोरोना से 85,307 लोग संक्रमित हुए थे जिसमें से 4,634 लोगों की मौत हो चुकी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिल्म सितारों से सजेगी अयोध्या की रामलीला, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी मंजूरी

लखनऊ (एजेंसी)। यूं तो राम की नगरी अयोध्या में रामलीलाओं का मंचन विभिन्न स्थानों पर प्रायः होता ही रहता है विषेषकर विजय दषमी के पर्व के आसपास। लेकिन इस बार अयोध्या में होने वाली रामलीला कुछ अलग होगी। क्योंकि इस बार की रामलीला बॉलीवुड फिल्म सितारों से सजी होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलीला के इस कार्यक्रम को अपनी मंजूरी दे दी है।

आगामी 17 अक्टूबर से 25 अक्तूबर तक यह अनूठा आयोजन अयोध्या के सरयू तट के किनारे स्थित लक्ष्मण किला पर होगा

इस कार्यक्रम में फिल्म इंडस्ट्री के कई नामचीन कलाकार रामलीला के प्रसंगों पर अपनी प्रस्तुति देंगे। यह आयोजन खास तौर पर दशहरे के मौके पर किया जा रहा है।

इसका सीधा प्रसारण देश के कई बड़े चैनलों, सोशल मीडिया और यूट्यूब के माध्यम से पूरी दुनिया में होगा।

दिल्ली की रामलीला आयोजन संस्था इस भव्य आयोजन को अयोध्या में सरयू के किनारे करवा रही है। इस आयोजन की अनुमति के लिए यह संस्था लगातार प्रदेश सरकार के कई मंत्रियों के संपर्क में थी।

जिसके बाद प्रदेश के पर्यटन व संस्कृति मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने मुख्यमंत्री से इस बारे में बात की, जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस विशेष आयोजन को हरी झंडी दे दी।

मुख्यमंत्री की सहमति मिलने के बाद अब इस आयोजन में उत्तर प्रदेश का संस्कृति विभाग सहयोग करेगा।

जिससे कि इस आयोजन की कीर्ति चहुंओर फैल सके।

बॉलीवुड के फिल्म सितारों से सजी इस रामलीला में कई प्रमुख फिल्म सितारों को दर्शक देखेंगे।

इनमें सोनू सूद भगवान राम के किरदार में, कविता जोशी मां सीता के रूप में, बिन्दू दारा सिंह हनुमान, रावण की भूमिका में शाहबाज खान, अहिरावण की भूमिका में रजा मुराद, रवि किशन भरत, वहीं, मनोज तिवारी अंगद की भूमिका में नजर आएंगे।

पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन समेत पांच के खिलाफ गैर जमानती वारंट

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ की एक विशेष अदालत ने महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के एक मामले में पूर्व मंत्री और कांग्रेसी नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी समेत पांच लोगो के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है।

एमपी–एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश पवन कुमार राय ने राज्य की योगी सरकार में मंत्री स्वाति सिंह और उनके परिवार की महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में बिना जमानत हाजिरी माफी की अर्जी देने पर नसीमुद्दीन सिद्दीकी, रामअचल राजभर, अतर सिंह, मेवालाल गौतम और नौशाद अली के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया है। सभी के खिलाफ 22 जुलाई 2016 को हजरतगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गयी थी।

अदालत ने कहा कि कहा कि पत्रावली को देखने से पता चला कि किसी भी आरोपी ने अभी तक इस मामले में अपनी जमानत नहीं कराई है जबकि आरोपियों की ओर से उनकी हाजिरी माफी की अर्जी दी जाती रही है,

जिसे अदालत त्रुटिवश स्वीकार करती रही है। मामले की अगली सुनवाई छह अक्टूबर को होगी। विदित हो कि श्रीमती स्वाति सिंह की सास तेतरा देवी ने 22 जुलाई 2016 को हजरतगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी जिसमें कहा गया था कि 21 जुलाई को नसीमुद्दीन सिद्दीकी, रामअचल रा. जभर, मेवालाल आदि की अगुवाई में एकत्र भीड़ ने उनके पुत्र को फांसी देने की मांग के साथ ही परिवार की महिलाओं को गालियां दीं और अमर्यादित नारे लगाये थे।

इस मामले ने तूल पकड़ा था जब भाजपा के तत्कालीन उपाध्यक्ष दया शंकर सिंह ने बसपा सुप्रीमो मायावती को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की थी।

बसपा के वरिष्ठ नेताओं ने दया शंकर सिंह की गिरफ्तारी को लेकर हजरतगंज में जमकर प्रदर्शन किया था।

इस प्रदर्शन में दया शंकर सिंह की पत्नी, बेटी और मां को खुले मंच से अमर्यादित शब्दों के साथ संबोधित किया गया था।

सार–समाचार

इलाज के दौरान हीलाहवाली एवम ओवर बिलिंग को लेकर जिलाधिकारी के तेवर सख्त

कानपुर नगर। जिलाधिकारी कानपुर नगर ने बताया कि जनपद कानपुर नगर में कोविड–19 के चलते अच्छी चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास जारी है, इन प्रयासों में जिन अस्पतालों में खराब इलाज हो रहा था ,ओवर बिलिंग हो रही थी , उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके साथ–साथ यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, कि हमारे आईसीयू एचडीयू बेड़ो की संख्या निरंतर बढ़ती रहें। इन प्रयासों की कड़ी में 31 अगस्त के आसपास लगभग 340 आईसीयू, एचडीयू बेड थे। आज की डेट में जनपद में आईसीयू, एसडीयू बड़ों की संख्या में इजाफा हुआ है। आज 425 आईसीयू ,एचडीयू बेड हो गए हैं। इसके साथ–साथ जनपद वासियों से अपील है कि वह सोशल डिस्टेंसिंग मास्क के नियमों का पालन करें ,ताकि हम कोविड के फैलाओ को रोक सके।

घरों एवम गमले में पानी न इकठ्ठा होने दे–जिलाधिकारी

संजय मौर्य,

कानपुर नगर। जिलाधिकारी कानपुर नगर ने समस्त जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि डेंगू के मच्छर साफ पानी में पैदा होते हैं। जिसके दृष्टिगत सभी को सावधानी बरतनी है सभी लोग घरों में , गमलों में आदि जगहों में पानी इकट्ठा ना होने दें। विशेष तौर पर यह भी निगरानी रखनी होगी कि वह वस्तुवें जो उपयोग में नहीं है आप की छतों पर रखी है, जिनमें पानी एकत्र हो सकता है उन्हें हटा दें। अपने घरों के आसपास सफाई रखें। जिला प्रशासन द्वारा एंटी लारवा के छिड़काव के लिए टीमें गठित कर लगातार दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में भी एंटी लारवा का छिड़काव किया जा रहा है, लोग सावधानी बरते।

मृतक पत्रकार की शोक सभा में श्रध्दांजलि देने वालों का लगा रहा ताता

प्रकाश शुक्ला,

उन्नाव। बिछिया क्षेत्र के शनिवार को सड़क हादसे मे जान गँवा चुके पुरवा कोतवाली क्षेत्र के रायपुर गाँव निवासी कलमकार शुभम तिवारी के शोक मे असोहा ब्लॉक के कस्बा मंगतखेड़ा मे व्यापारियो ने शोक सभा आयोजित कर श्रध्दांजलि अर्पित की। क्षेत्र के व्यापारियो ने बताया की शुभम कम उम्र मे ही अपनी लेखनी के जरिए अच्छी पहचान बनाई थी। जिससे हम सभी को शुभम की आकस्मिक हुई मृत्यु से गहरा आघात हुआ है। बताते चले की गुरुवार शाम ओरहर मोड़ के पास शुभम की बाईक मे सामने से आ रहे बाईक सवार ने टक्कर मार दी थी जिससे शुभम और साथ मे बैठे भाई शिवम को चोट आई थी जिसपर शुभम को ज्यादा चोट होने के चलते ट्रामा सेंटर लखनऊ मे भर्ती कराया गया था जहाँ शनिवार को शुभम की मौत हो गई। श्रध्दांजलि सभा मे लगभग दो दर्जन लोग मौजूद रहे।

कतर्नियाघाट के जंगल मे सड़क पर मगरमच्छ का आतंक

जनपद बहराइच मे जहाँ कतर्नियाघाट के गिरिजाबैराज के पास एक मगरमच्छ का आतंक देखने को मिल रहा है बीते कई दिनों मे

इस मगरमच्छ ने सड़क पर निकल रहे लोगो को दौड़ाकर घायल किया है लेकिन वन विभाग चुप्पी साधे हुए है। कल देर शाम को इस मगरमच्छ ने सड़क पर आकर दहशत का माहौल पैदा कर दिया सड़क पर 5 मिनट तक आवागमन बंद रहा लोगो ने मोटरसाइकिल का हॉर्न बजाकर मगरमच्छ को भगाया । स्थानीय लोगो ने वन विभाग को कई बार सूचना दी लेकिन वह विभाग चुप्पी साधे है। स्थानीय लोगो मे मगरमच्छ से दहशत है।

बेकाबू कार पेड़ से टकराई हादसे में मौके पर ही 4 की मौत 6 घायल

बहराइच हरिद्वार से सिद्धार्थनगर जा रही मारुति की इको कार हादसे का शिकार हो गई। यह भीषण हादसा जनपद बहराइच के हरदी इलाके में हुआ। सड़क किनारे गूलर के पेड़ से टकराने के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। इस सड़क हादसे के दौरान ईको कार में सवार दो महिलाओं समेत 4 की मौत हो गई। जबकि परिवार के ही छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाकाई पुलिस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां दो की हालत क्रिटिकल होने पर डॉक्टरों ने लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है। कार सवार सभी लोग हरिद्वार से सिद्धार्थनगर के तेतरा बाजार जा रहे थे। इस मामले में पुलिस का कहना है कि हादसे में शिकार हुए लोगों के परिजनों को सूचना दे दी गई है जो लोग गंभीर रूप से घायल हैं उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया है इको कार में सवार सभी लोग एक ही परिवार के थे। पुलिस का यह भी कहना है कि ड्राइवर को झपकी आने की वजह से या भीषण हादसा होने का कयास लगाया जा रहा है हालांकि इसकी जांच की जा रही है

ट्रक और पिकअप मे आमने सामने भिड़े

बांगरमऊ,उन्नाव संडीला मार्ग पर स्थित काजीपुर गांव के निकट पुलिया टूटी होने के कारण एक ट्रक व पिकअप की आमने सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। ग्रामीणों की माने तो पुलिया का मरम्मती करण कई बार किया जा चुका है लेकिन ठेकेदारी प्रथा के चलते समस्या आज भी जस की तस बनी है जिसके चलते आए दिन वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे।

उन्नाव मे शुरू हुआ गैंगस्टर की सम्पति कुर्क

उन्नाव में भी शुरुआत हुई गैंगस्टर की सम्पति कुर्क करने की कार्यवाही।थाना हसनगंज पुलिस ने क्षेत्र के कुरौली गांव निवासी गैंगस्टर सुशील कुमार पुत्र रामशंकर की लगभग 29 लाख की संम्पति कुर्क कर कब्जे में लिया।

कुर्क सम्पति में एक पिकप,एक मारुति शुजकी कार तथा पांच दुकानें शामिल है।

यूपी में कोरोना से 87 और लोगों की मौत, 5234 नए मरीज

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड–19 से 87 और लोगों की मौत हो गई तथा 5234 और लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बुधवार को यहां बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान गई। इसी दौरान 6500 लोग इस संक्रमण से ठीक होकर डिस्चार्ज भी हुए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक कुल 3,02,689 लोग संक्रमण के बाद पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। इस तरह अब रिकवरी का प्रतिशत 81.88 हो गया है। इस समय प्रदेश में कोविड–19 के 61,698 मरीजों का इलाज

किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में मंगलवार को नमूनों की जांच में नया प्रतिमान स्थापित किया गया। कल सबसे ज्यादा एक लाख 65 हजार 565 नमूनों की जांच की गई। प्रदेश में अब तक 89 लाख 93 हजार 424 नमूनों की जांच की जा चुकी है।

राज्य में कोविड–19 से 87 और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ राज्य में इस संक्रमण से अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 5299 हो गई है।

उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में 5234 नए मरीजों में संक्रमण की पुष्टि की

पूर्व कांग्रेसी पार्षद के मामले को लेकर कांग्रेसियों का प्रतिनिधिमंडल अपर पुलिस महानिदेशक से मिला

संजय मौर्य

कानपुर महानगर कॉंग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री, पूर्व सांसद राजाराम पाल, राकेश सचान एवं कैंट विधायक सुहेल अंसारी के संयुक्त नेतृत्व में पूर्व पार्षद इजहारूल अंसारी के परिवारी जनों ने अपर पुलिस महानिदेशक से भेंट कर पूर्व पार्षद इज़हारूल को बेगुनाह बताते हुए कहा कि क्षेत्रीय पुलिस ने पूर्व पार्षद के विरोधियों से साठगांठ कर पार्षद की छवि खराब करने के लिए उन्हें संगीन धाराओं में जेल भेजा है।

जबकि पूर्व पार्षद के विरुद्ध नामजद एफआईआर तक नहीं है और न ही आज तक थाना बाबु पुरवा सहित किसी भी थाने में एक भी आपराधिक मुकदमा है।

पूर्व पार्षद इज़हारूल अंसारी की पत्नी मुमताज अंसारी ने बताया कि जब एनआरसी

को लेकर दिसंबर 2019 में लोग सड़कों पर धरना प्रदर्शन कर रहे थे।

उस वक्त मेरे पति की दूसरी पत्नी फारिया बेगम प्रसव प्रक्रिया से गुजर रही थी और हैलट अस्पताल में भर्ती थी।

मेरे पति इज़हारूल अंसारी लगातार उसके साथ अस्पताल में बने हुए थे।

अपर पुलिस महानिदेशक को मुमताज अंसारी ने यह भी बताया कि थाना बाबु पुरवा में उक्त एनआरसी में 5 हज़ार अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुक़दमा दर्ज किया है जिनकी पहचान अब तक नहीं कर पाई और मेरे पति जो उस दौरान लगातार अस्पताल में रहे, उनके राजनीतिक विरोधियों से साठगांठ कर उन्हें उक्त संगीन धाराओं में जेल भेज दिया।

वहीं इज़हारूल अंसारी के परिवार जनों के साथ गए कॉंग्रेस नेताओं ने कहा कि पूर्व इज़हारूल अंसारी शहर कॉंग्रेस कमेटी के महासचिव हैं और शांति प्रिय नागरिक हैं उन्हें राजनीतिक रंजिश में फंसाया गया है।अपर पुलिस महानिदेशक से आग्रह किया कि वह उक्त मामले की जांच अपने स्तर से करा कर पूर्व पार्षद इज़हारूल अंसारी के साथ न्याय किया जाए और उन्हें रिहा कराया जाए।

प्रतिनिधि मंडल में उक्त नेताओं के आलावा इक़बाल अहमद, स. अमनदीप सिंह, ज़फ़र शाकिर सहित पूर्व पार्षद इज़हारूल अंसारी के बच्चे भी थे।

पावर प्लांट का पिलर टूटने से मजदूरी की मौत

कानपुर(घाटमपुर)

घाटमपुर के यमुना तटवर्ती क्षेत्र में निर्माणाधीन पावर प्लांट में मंगलवार रात पिलर टूट कर गिर जाने से उसपर काम कर रहे मजदूर की मौत हो गई। बुधवार की सुबह हादसे की जानकारी पर गुस्साये मजदूरों ने काम बंद करके प्रशासनिक भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच बारिश शुरू हो जाने पर सभी मजदूर अपने आवासों पर लौट गए।

घाटमपुर के यमुना तटवर्ती क्षेत्र में एलएंडटी (लार्सन एंड टूब्रो) कंपनी द्वारा निर्माण कराया जा रहा है, इस समय ब्यायलर निर्माण का काम कर रही है। मंगलवार रात पंजाब के जिला गुरुदासपुर के गांव मनेस निवासी महेंद्र सिंह

काम बंद कर साथियों का प्रदर्शन

का 41 वर्षीय पुत्र केवल सिंह साइट पर करीब 12 मीटर ऊंचे टावर पर चढ़कर काम कर रहा था। देर शाम करीब साढ़े सात बजे अचानक नट टूटने से पिलर फर्श पर आकर गिरा और साथ ही नीचे गिरे केवल सिर भी बुरी तरह जख्मी हो गए। एलंडटी की एंबुलेंस से जख्मी केवल को हमीरपुर जिला चिकित्सालय ले गए, जहां हालत गंभीर देखकर कानपुर हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। कानपुर ले जाते समय रास्ते में केवल ने दम तोड़ दिया, इसपर शव को हैलट मर्च्यूरी में रखवाया गया है।

साथी की मौत की सूचना पर बुधवार की सुबह हजारों मजदूर काम बंद कर एनयूपीपीएल के प्रशासनिक भवन के बाहर एकत्र हो गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। कंपनी प्रबंधन ने परिसर में तैनात सीआईएसएफ के अलावा सजेती थाना पुलिस को सूचना देकर बुला लिया। कुछ देर में तेज बारिश शुरू होने के चलते मजदूर आवासीय कालोनियों में लौट गए। एनयूपीपीएल के प्रवक्ता एवं उप महाप्रबधक (एचआर) पंकज कुमार ने बताया कि मृतक मजदूर के स्वजनों को सूचना दी गई है, आश्रितों को सभी देयों का नियमानुसार भुगतान किया जाएगा। परिसर में मजदूरों के हंगामा जैसी स्थिति नहीं है,

शराब पीकर आपस में किया मारपीट घटना को पुलिस अधीक्षक डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने लिया संज्ञान आठ सिपाहियों को किया निलंबित

अनस तारिक़

बहराइचः रिसिया थाने में तैनात सिपाही अपने आवास पर शराब पार्टी में हंगामा और

सिपाहियों द्वारा आपस में मारपीट की गई थी. मारपीट की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने सिपाही महेश शुक्ला सहित आठ सिपाहियों को निलंबित कर दिया है. एसपी डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक नगर को सौंपी है.

पुलिस अधीक्षक डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने बताया कि 20 सितंबर 2020 की रात में रिसिया थाने में तैनात सिपाही महेश शुक्ला के आवास पर आयोजित पार्टी में शराब पीकर सिपाहियों द्वारा हंगामा किया गया.

हंगामे के बाद सिपाहियों द्वारा आपस में मारपीट भी की गई. इस घटना की सूचना सिपाहियों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं दी गई.

इस आरोप में सिपाही महेश शुक्ला, राजेश यादव, अमित यादव, अजय यादव, पंकज यादव, विनोद यादव, पवन यादव और अफजल खान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. पुलिस अधीक्षक डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक नगर को सौंपी गई है.

महिलाओं की आजीविका बढायेगा एन०आर०एल०एम० का साथ

प्रकाश शुक्ला

उन्नाव जनपद में लगभग 89700 महिलाओं को आजीविका योजना से जोड़ते हुए, उनके जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास जनपद में शासन कि मंशा अनुसार अब सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अब स्वंय सहायता समूहों की राशन की दुकान का आवंटन किया जाना है ।

साथ ही इनकी आवंटन प्रक्रिया अंतिम चरण में है तथा शीघ्र ही समूहों को आवंटन पत्र निर्गत कर दिया जायेगा। आजीविका योजना से जनपद में लगभग 89700 महिलाओं को जोड़ते हुए, उनके जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। उपयुक्त स्वतः रोजगार श्री प्रदीप कुमार ने बताया कि जनपद में संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा जनपद में 7800 स्वंय सहायता समूह का गठन किया गया है, जिसके द्वारा ग्रामीण आंचलो में महिलाओं को आजीविका से जोड़ने हेतु समूह गठन कर आर्थिक व प्रशिक्षण कि सहायता से आजीविका का सबल किया जा रहा है।

इस हेतु समूह को मुख्यतः आर०एफ० के माध्यम से 15000 धनराशि तथा सी०आई०एफ० के माध्यम से 1,10,000 धनराशि के साथ अन्य मदों से भी विभिन्न फण्ड दिये जाते है, जिससे कि महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिये सहायता प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही कौशल विकास योजना, आरसेटी, जिला उद्योग संस्थान व अन्य सरकारी विभागों से आजीविका हेतु जोड़ने के लिए प्रशिक्षण महिलाओं को दिया जा रहा है। श्री प्रदीप कुमार ने बताया कि वर्तमान मे जनपद द्वारा कुछ विशेष कार्य किये जा रहे हैं ।

जैसे– कोविड–19 के दौरान महिलाओं द्वारा सभी विकास खण्डों कि महिलाओं द्वारा 150000 के लगभग मास्क का निर्माण किया गया है। जो कि लॉक डाउन के दौरान निर्मित किया गया था। उन्होंने बताया कि जनपद में विद्युत विभाग व एन०आर०एल०एम० के

कोविड–19 फैसिलिटी में स्टेटिक मजिस्ट्रेट की डयूटी

कानपुर नगर। जिलाधिकारी कानपुर नगर द्वारा समस्त कोविड–19 फैसिलिटी में स्टेटिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है जिसके क्रम में अब कोविड फैसिलिटी अस्पताल लाला लाजपत राय के न्यूरोसाइंस वार्ड तथा मैटरनिटी वार्ड में 6 स्टेटिक मजिस्ट्रेट की लगातार 8 – 8 घण्टे की ड्यूटी लगाई है । जिसमें डॉ० रमापति मिश्रा पशु चिकित्सा अधिकारी न्यूरोसाइंस वार्ड, अमरजीत सिंह जिला समाज कल्याण अधिकारी न्यूरोसाइंस वार्ड, जी पी गौतम जिला विकास अधिकारी न्यूरोसाइंस वार्ड, अभय कुमार जिला प्रोबेशन अधिकारी मैटरनिटी वार्ड, मनीष कुमार जिला कृषि अधिकारी मैटरनिटी वार्ड, चंद्र प्रकाश अवस्थी जिला उद्यान अधिकारी मैटरनिटी वार्ड में इन सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनके द्वारा कोविड–19 अस्पताल में व्यक्तिगत रूप से उप. स्थित रहकर यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मी की रोहतक के अनुसार ड्यूटी है वहां उपस्थित रहकर मरीजों का उपचार कर रहे हैं। संबंधित स्टैटिक मजिस्ट्रेट कोविड–19 में प्रतिदिन उपलब्ध रहकर सीसीटीवी कैमरों से मरीजों की देखभाल का पर्यवेक्षण करेंगे तथा जो मरीज वार्ता करने में सक्षम होंगे उनसे दूरभाष पर संपर्क स्थापित कर उनके स्वास्थ्य एवं उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त करेंगे एवं प्रतिदिन आईसीसीसी नियंत्रण कक्ष एवं मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर को अपनी रिपोर्ट उपलब्ध कराएंगे।

अस्पताल में भर्ती मरीजों के तीमारदारों से वार्ता करेंगे तथा मेडिकल स्टाफ के साथ तीमा. रदारों का समन्वय स्थापित कर करायेंगें। इसके साथ–साथ गंभीर प्रकृति के मरीजों के संबंध में संबंधित स्टेटिक मजिस्ट्रेट डॉक्टरों से उन मरीजों के उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त कर तीमारदारों से वार्ता करेंगे, ताकि तीमारदारों को उनके मरीजों के संबंध में उपचार की सही जानकारी प्राप्त होती रहे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

औडा के मकान में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश, 11 युवतियां छुड़ाई गईं

अहमदाबाद शहर के कृष्णनगर क्षेत्र के औडा के मकान में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश कर पुलिस ने 11 युवतियों को मुक्त कराया। इन युवतियों को देश के विभिन्न राज्यों से लाकर इनसे देह व्यापार करवाया जाता थाद्य पुलिस ने एक ग्राहक को गिरफ्तार करने के साथ ही घटनास्थल से नकद समेत एलईडी टीवी, एसी, 12 मोबाइल और एक ऑटो रिक्शा भी जब्त कर लिया। जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के कृष्णनगर क्षेत्र में नगर विकास प्राधिकरण (औडा) के मकानों में देह व्यापार चलता होने के बारे में स्थानीय पुलिस से शिकायत की गई थी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं कीद्य राजु यादव नामक शख्स महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से युवतियों को लेकर उनसे औडा के मकान में देह व्यापार करवाता था। ग्राहकों के लिए औडा के मकान में एलईडी टीवी और एसी लगवाए गए थेद्य पिछले काफी समय से राजु यादव सेक्स रैकेट चला रहा थां।

पुलिस कंट्रोल रूम को जानक. ारी मिलते ही हरकत में आई पुलिस ने औडा के मकान में रेड कर 11 युवतियों को मुक्त कराया। पुलिस ने एक ग्राहक को गिरफ्तार कर लिया। घटनास्थल से पुलिस ने 14540 रुपए नकद, 3 एलईडी, 5 एसी, 12 मोबाइल और 1 ऑटो रिक्शा भी जब्त की है। जांच में पता चला कि राजु यादव ने करार के आधार पर औडा के मकानों पर कब्जा कर रखा था। जिसमें युवतियों को बंधक बनाकर रखता था और उनसे देह व्यापार करवाता था।

डॉक्टर की उसके ही क्लीनिक में हत्या, लहू से लथपथ शव मिला

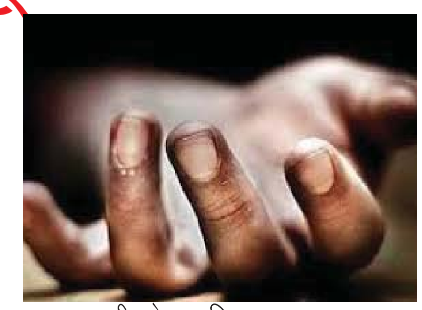

सूरत शहर के लालगेट क्षेत्र में एक दांत के डॉक्टर की उसके ही क्लीनिक में बेरहमी से हत्या कर दी गई। लहू से लथपथ डॉक्टर का शव उसके परिजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फूटेज के आधार पर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के नानपुरा क्षेत्र निवासी अजीम पतरावाला दांत के डॉक्टर थे और शहर के लालगेट क्षेत्र के कास्कीवाड में उनका क्लीन है। अजीम पतरावाला क्लीनिक से निर्धारित समय पर अपने घर पहुंच जाते थे। लेकिन मंगलवार की देर रात अजीम पतरावाला के घर नहीं पहुंचने पर परिजन उनकी तलाश में क्लीनिक पहुंचे जहां लहू से लथपथ अजीम का शव देख चौंक पड़े। परिजनों ने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी। अजीम पतरावाला की किसी ने गला रेत कर हत्या कर दी थी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने डॉग स्क्वॉड और एफएसएल के साथ मामले की जांच शुरू कर दी। साथ आसपास लगे सीसीटीवी फूटेज भी पुलिस खंगाल रही है।

1.33 करोड़ के प्रतिबंधित एमडी ड्रग्स के साथ तीन गिरफ्तार

सूरत पुलिस ने शहर के अलग अलग जगह रेड कर रु. 1.33 करोड़ कीमत की एमडी ड्रग्स समेत तीन शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। अन्य एक मामले में पुलिस ने रु. 56.55 लाख का गांजा भी जब्त किया है। जानकारी के मुताबिक सूरत पुलिस ने शहर के डुमस गाम के टी पॉइंट के निकट से सलमान उर्फ अमन मोहमद हनीफ झवेरी को रु. 10118200 कीमत के 1011.82 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सलमान के पास से 5 मोबाइल, 12710 रुपए नकद और कार समेत कुल रु. 10419410 जब्त किया है। वराछा क्षेत्र के पटेलनगर से विनय उर्फ बन्टी किशोर पटेल को रु. 1.75 लाख के एमडी ड्रग्स, मोबाइल और कार समेत रु. 890000 माल सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सरथाणा कैनाल रोड पर शायोना प्लाजा शॉपिंग सेंटर की दुकान में रेड कर रु. 3049800 कीमत के 304.98 ग्राम ड्रग्स के साथ संकेत शैलेष अशलालिया को गिरफ्तार कर लिया।तीन अलग अलग मामलों में पुलिस ने तीन लोगों को वांटेड घोषित किया है। इसके अलावा सूरत पुलिस ने पूणागाम सरोली रोड पर नेचरवेली होम्स के निकट ट्रक से 562.510 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। रु. 56.45 लाख कीमत के गांजे को उड़ीसा से सूरत में बेचने के लिए लाया गया था।

विधानसभा के बाहर कपास के साथ विरोध कर रहा किसान हिरासत में

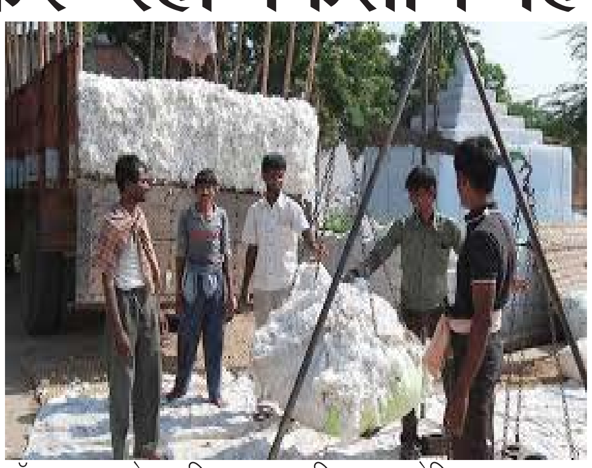

अहमदाबाद पिक अप वैन में कपास लादकर विधानसभा के बाहर विरोध करने पहुंचे तलाजा के एक किसान को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

किसान ने कहा कि कपास और मूंगफली के पोषक दाम नहीं मिलने पर वह विरोध करने वि ाानसभा आया था। हिरासत में लिए गए गीगाभाई नामक किसान भ. ावनगर जिले की तलाजा तहसील के बोडकी गांव के निवासी हैं। उनका कहना है कि पिछले साल कपास की खरीदी के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। लेकिन उनके बाद आवेदन करने वाले किसानों से कपास खरीद लिया गया, लेकिन उनका कपास नहीं खरीदे जाने पर विरोध करने गांधीनगर आए थे।

गीगाभाई अपने पिकअप वैन में कपास लादकर आए थेद्य गीगाभाई ने कहा कि पिछले साल कपास की खरीदी में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ है।

कपास की खरीदी में मार्केट यार्ड के पदाधिकारी खुलेआम भ्रष्टाचार कर रहे हैं। जिसका विरोध करने वह कपास लेकर गांधीनगर आए थे। गीगाभाई को पुलिस ने उस समय हिरासत में ले लिया जब वह विधानसभा के गेट संख्या 4 के निकट कपास का ढेर लगाने जा रहे थे।

कपड़ों की आड़ में शराब तस्करी का पर्दाफाश, 12.88 लाख की शराब समेत 3 गिरफ्तार

वडोदरा एलसीबी ने कपड़ों की आड़ में शराब तस्करी का पर्दाफाश करते हुए रु. 12.88 लाख की शराब समेत रु. 22.97 लाख माल–सामान जब्त कर लिया।

इस मामले में पुलिस ने तीन शख्सों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा एलसीबी को सूचना मिली थी कि आईशर ट्रक में कपड़ों की आड़ में बड़े पैमाने पर विदेशी शराब वडोदरा लाई जा रही है। सूचना के आधार पर एलसीबी ने वडोदरा–हालोल रोड पर नर्मदा के मुख्य नहर पर निगरानी बढ़ा दी और आईशर ट्रक के आते ही पुलिस ने उसे रोक लिया।

ट्रक की जांच में कपड़ों के बंडलों के नीचे छिपाई गई विदेशी शराब पेटियां बरामद हुई।

पुलिस ने रु. 1288800 कीमत की विदेशी शराब की 1836 बोतलें, 7 लाख रुपए कीमत का आईशर ट्रक और दो मोबाइल समेत कुल 229788 रुपए का माल सामान जब्त कर लिया।

साथ ही पुलिस ने ट्रक में सवार राजस्थान निवासी सुंदरसिंह जाट, उत्तर प्रदेश के रहनेवाले अजय चिकछत्री और हरियाणा के लोकेश पहलवान समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर शराब कहां से लाई जा रही थी और किसे पहुंचाई जानी थी,

इस दिशा में जांच शुरू की है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना सरकार का लक्ष्य : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज विधानसभा में 'मुख्यमंत्री महिला उत्कर्ष योजना' महत्वाकांक्षी योजना बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य केवल 0 प्रतिशत ब्याज पर लोन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। छोटी–मोटी आर्थिक गतिविधियों में कार्यरत महिलाएं रोजाना अर्थोपार्जन के लिए किसी न किसी से ब्याज रुपए लेकर काम करती हैं। जिसके ब्याज की भरपाई में महिलाओं की पूरी कमाई चली जाती है। उन्होंने कहा कि विपरीत हालात में महिलाएं सम्मान के साथ खड़ी रहें, इसके लिए 'मुख्यमंत्री महिला उत्कर्ष योजना' लागू की गई है। इस योजना के तहत 10 महिलाओं का सखी मंडल, इस प्रकार कुल 10 लाख 'सखी मंडल' तैयार कर प्रत्येक सखी मंडल को रु. 1 लाख की लोन जीरो प्रतिशत ब्याज पर देना का सरकार का आयोजन है। ताकि महिलाएं स्वयं को और अपने परिवार को आर्थिक मदद कर सकें। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत बैंक लोन देंगी और बैंकों को ब्याज का भुगतान राज्य सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए आईसीआईसीआईसीआई, एचडीएफसी और एक्सिस बैंक समेत बैंकों के साथ राज्य सरकार ने एमओयू किया है। 65 अर्बन क्रेडिट सोसायटी, 43 कलस्टर सोसायटी समेत कुल 367 महिला ग्रुपों को लोन दी जा चुकी है। हांलाकि सरकार का लक्ष्य 1 लाख सखी मंडलों के साथ 10 लाख महिलाओं के जरिए 50 लाख लोगों तक पहुंचना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत राज्य के ग्रामीण–शहरी महिलाओं को परिवार का आर्थिक आधार बनने के लिए 10 महिलाओं को एक करोड़ रुपए का लोन जीरो प्रतिशत पर देने की गुजरात की पहल देशभर में महिला उत्कर्ष की नई दिशा दिखाएगी।

इस योजना के जरिये 1 लाख सखी मंडलों द्वारा 10 लाख महिलाओं को जोड़कर परिवार के करीब 50 लाख लोगों को आर्थिक आध ाार देने को राज्य सरकार का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि भूतकाल में सखीमंडलों को पंजीकरण के बाद प्रोजेक्ट बनाकर बैंक में लोन मंजूरी के लिए देना पड़ता था और उसके बाद बड़ी मुश्किल से लोन मिलती थी। लेकिन मौजूदा राज्य सरकार ने बैंकों के साथ व्यवस्था बनाई है कि मंडल का पंजीकरण होते ही बैंक लोन देती है।

इस योजना के लिए राज्यस्तर पर पांच बैंकें, गुजरात स्टेट कॉ ओपरेटिव बैंक, बरोडा गुजरात ग्रामीण बैंक, आसीआईसीआईसीआई, एचडीएफसी और एक्सिस बैंक को इस योजना से जोड़ने के लिए एमओयू किया गया है।

गुजरात में कोरोना के 1372 नए केस, 1289 हुए ठीक, 15 मरीजों की मौत

राज्य में पांच दिन दिन बाद कोरोना केसों में कमी आई है। सितंबर के प्रारंभ से गुजरात में 1300 से अधिक मामले दर्ज हो रहे थेद्य 18 सितंबर कोरोना ने रफ्तार पकड़ी और प्रति दिन 1400 से ज्यादा मामले सामने आने लगे। हांलाकि पांच दिन बाद इस पर ब्रेक लगी है और आज 1372 कोरा. ना पॉजिटिव केस सामने आए है। जबकि 1289 लोग ठीक हुए हैं और 15 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 183, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 160, सूरत में 111, राजकोट कॉर्पोरेशन में 108, वडोद. रा कॉर्पोरेशन में 93, जामनगर कॉर्पोरेशन में 84, बनासकांठा में 51, महेसाणा में 45, वडोदरा में 41, राजकोट में 33, अमरेली में 27, कच्छ में 27, पंचमहल में 27, मोरबी में 26, अहमदाबाद में 25, भरुच में 22, पाटन में 22, सुरेन्द्रनगर में 22, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 20, भावनगर कॉर्पोरेशन में 19, जूनागढ़ में 19, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 19, भावनगर में 18, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 18, साबरकांठा में 18, खेडा में 14, गिर सोमनाथ में 13, महीसागर में 13, दाहोद में 12, नर्मदा में 11, जामनगर में 10, बोटाद में 9, अरवल्ली में 8, देवभूमि द्वारका में 8, आणंद में 7, पोरबंदर में 7, तापी में 7, वलसाड में 7, छोटाउदेपुर में 5 और नवसारी में 3 समेत राज्यभर में कुल 1372 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए।

डीजल शेड, वटवा ने बनाया भारतीय रेल का पहला ओवर हेड वायर इंटरलॉकिंग सिस्टम

अहमदाबाद पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल के डीजल शेड, वटवा में वर्तमान में डीजल इंजिन के साथ साथ इलेक्ट्रिक इंजिन का भी रखरखाव किया जा रहा है। इस हेतु डीजल शेड, वटवा में ओवर हेड लाइन बिछाई गयी है जो की 25 किलो वोल्ट के हाई वोल्टेज पर चार्ज रहती है। इंजिन के मेंटेनेंस के समय रेल कर्मियों को अक्सर इंजिन की छत पर चढ़ना पड़ता है, जिसके कारण बिजली की ओवर हेड लाइन में हाई वोल्टेज करंट से दुर्घटना का खतरा हमेशा बना रहता हैद्य इसके लिए भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम बार डीजल शेड, वटवा द्वारा अनुभवी व होनहार तथा कर्मठ रेल कर्मियों की लगन व कड़ी मेहनत से एक इंटरलॉकिंग सिस्टम की खोज की गई है। मण्डल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा ने शेड की इस सुनहरी उपलब्धि पर ख़ुशी ज़ाहिर करते हुए बताया कि इस सिस्टम में इंजन की छत पर चढ़ने हेतु प्रयोग होने वाली सीढ़ी लॉक अवस्था में रहती है। ओवर हेड लाइन के आ. इसोलेट होने तथा लाइन के दोनों सिरों की ग्राउंडिंग होने के पश्चात सीढ़ी का लॉक अपने आप खुल जाता है तथा इसके पश्चात ही सीढ़ी को इंजन की छत पर चढ़ने हेतु उपयोग में लिया जा सकता है। इसी प्रकार जब सभी कर्मचारी इंजन की छत से नीचे उतरकर ग्राउंडिंग रॉड तथा सीढ़ी को पुनः अपने निर्धारित स्थान पर रखकर लॉक नहीं करते है तब तक ओवर हेड लाइन दोबारा चार्ज नहीं होती है। इससे रेल कर्मी सुरक्षित रहते है। डीजल शेड कर्मचारी प्रायः ओवर हेड लाइन के नीचे कार्य करने के आदी नहीं होते है जिसके कारण कर्मचारियों में दुर्घटना का भय हमेशा बना रहता है। उपरोक्त सिस्टम के लगाए जाने से ओवर हेड लाइन के कारण होने वाली दुर्घटना की संभावना नहीं होगी तथा कर्मचारी निडर होकर इंजिन का मेंटेनेंस का कार्य कर सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया की उपरोक्त इंटरलॉकिंग सिस्टम को शेड में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए शेड में ही विकसित किया गया है, जिसके कारण इस सिस्टम को स्थापित करने में लगने वाली लागत बहुत कम रही

क्रांति समय
स्पेशल ऑफर
अपने बिज़नेस को बढ़ाये हमारे साथ
ADVERTISEMENT
WITH US
सिर्फ 1000/- रु में
(1 महीने के लिए)
संपर्क करे

अतिवृष्टि से प्रभावित कोई किसान सहायता से वंचित नहीं रहेगा : कृषि मंत्री

अहमदाबाद कृषि मंत्री आरसी फलदु ने कहा कि अतिवृष्टि से जिन किसानों को नुकसान हुआ है उनमें से कोई भी किसान सहायता वंचित नहीं रहेगाद्य विधानसभा में अतिवृष्टि से कृषि फसलों को हुए नुकसान के सर्वे प्रक्रिया संबंधित प्रश्न के उत्तर में आरसी फलदु ने कहा कि राज्य में इस वर्ष हुई भारी बारिश से किसानों को काफी नुकसान हुआ है और उसके लिए मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने रु. 3700 करोड़ का पैकेज जारी किया है। इस पैकेज के तहत राज्य के 20 जिलों की 123 तहसीलों में समाहित किया गया है।

जिन किसानों का 33 प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है, उनका सहायता राशि दी जाएगीद्य जिसमें सिंचित क्षेत्र के किसानों को प्रति हेक्टर रु. 13500 की सहायता दो हेक्टर की मर्यादा में दी जाएगी। इसी प्रकार खरीफ सीजन में असिंचित भूमि पर खेती करने वाले किसानों को रु. 6800 एसपीआरएफ और राज्य सरकार के फंड से 3200 रुपए समेत प्रति हेक्टर कुल रु. 10000 दो हेक्टर की मर्यादा में सहायता दी जाएगीद्य इसके लिए आगामी 1 अक्टूबर से किसानों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन की जांच के बाद देययोग्य रकम डी. बीटी द्वारा किसानों के एकाउंट में सीधी जमा करवाई जाएगी। कृषि मंत्री ने बताया कि रु. 6800 की सहायता एपीआरएफ की है और उसमें 75 प्रतिशत केन्द्र सरकार और 25 प्रतिशत राज्य सरकार का योगदान है। इस पैकेज में सौराष्ट्र के सभी जिलों को समाहित किया गया है। साथ ही छोटे किसानों को भी रु. 5000 की सहायता राशि देने का फैसला किया गया है। फलदु ने कहा कि प्राकृतिक आपदा में हमारी सरकार किसानों के साथ खड़ी है। भूतकाल में जब बनासकांठा जिले में बाढ़ आई थी तब मुख्यमंत्री विजय रूपाणी लोगों के बीच गए थे। ऐसा गुजरात में पहली बार हुआ था जब कोई मुख्यमंत्री बाढ के दौरान लोगों के बीच मौजूद रहा हो। राज्य के किसान हमारी सरकार से खुश हैद्य इसके बावजूद विपक्ष किसानों को लेकर क्यों हल्ला मचा रहा है,

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अनुष्का शर्मा ने स्वीमिंग पूल में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप, ब्लैक मोनोकिनी में दिखा स्टाइलिश अवतार

अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह ब्लैक ऑफ शोल्डर मोनोकिनी में नजर आ रही हैं. इस फोटो में अनुष्का स्वीमिंग पूल के बीच अपने बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा जल्द ही मां बनने वाली हैं. इस बात की घोषणा उन्होंने हाल ही में की थी. सोशल मीडिया के जरिए अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने इस बात का खुलासा किया था. दोनों ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें अनुष्का शर्मा अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आई थीं. तस्वीर शेयर करते हुए दोनों ने अपने फैंस को इस बात की भी जानकारी दी कि, दोनों साल 2021 में अपने पहले बच्चे का स्वागत करने जा रहे हैं. ऐसे में बी-टाउन और क्रिकेट जगत के सितारे इस कपल को बधाई देने में जुट गए.

इस बीच अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह ब्लैक ऑफ शोल्डर मोनोकिनी में नजर आ रही हैं. इस फोटो में अनुष्का स्वीमिंग पूल के बीच अपने बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं. एक्ट्रेस की ये तस्वीर उनके फैंस को बेहद पसंद आ रही है. इस फोटो को शेयर करते हुए अनुष्का शर्मा ने अपने चाहने वालों को शुक्रिया अदा किया है.

अनुष्का ने फोटो के कैप्शन में लिखा है- अपने जीवन में आपके पास पहले से मौजूद अच्छे को स्वीकार करना बेहतरी की नींव होती है. उन सभी का आभार जिन्होंने मुझे दया दिखाई और मुझे इस दुनिया में अच्छाई पर विश्वास करने के लिए प्रेरित किया. इसी भरोसे के साथ मैं दिल खोलकर ये अच्छाई दुनिया को वापस कर रही हूं. आखिरकार, हम सभी की राहें कभी ना कभी एक-दूसरे से जरूर टकराती हैं. अनुष्का की इस फोटो में विराट कोहली ने भी कमेंट किया है. विराट लिखते हैं- मेरी पूरी दुनिया एक ही फ्रेम में हैं.

सोनू सूद बोले- 'कंगना रनौत ने मणिकर्णिका में काटे मेरे सीन, इसलिए छोड़ दी फिल्म'

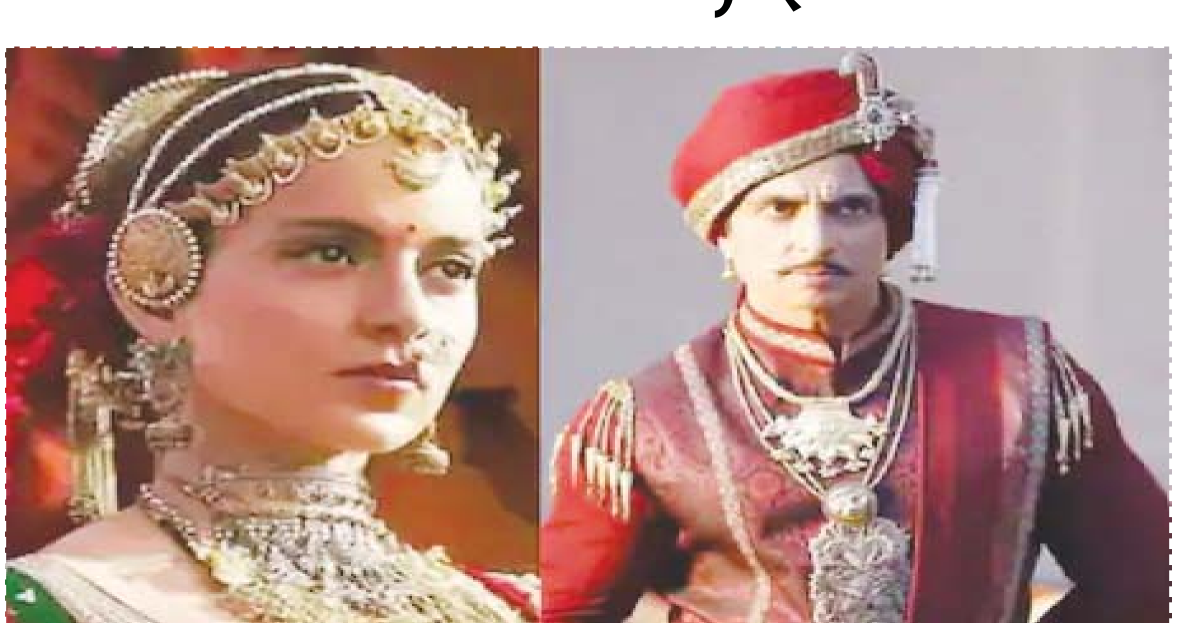

कंगना रनौत इन दिनों हर तरफ से विवादों में घिरी हुई हैं. सुशांत मामले में अपने बयानों से पूरी बॉलीवुड इंडस्ट्री को हिला देने वाली कंगना शिवसेना से भी उलझ गईं. जिसके बाद हाल ही में एक्ट्रेस का मुंबई स्थित ऑफिस बीएमसी द्वारा ध्वस्त कर दिया गया. साल 2019 में रिलीज हुई मणिकर्णिका भी खूब विवादों में रही थी. क्योंकि इस फिल्म को डायरेक्टर कृष और बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने भी छोड़ दिया था. कृष ने आरोप लगाया था कि कंगना उनके काम में हद से ज्यादा दखल देती हैं. अब ऐसा ही आरोप सोनू सूद ने कंगना रनौत पर लगाया है.

ये पूछे जाने पर कि उन्होंने शूटिंग करने के बाद ये फिल्म क्यों छोड़ी पर उन्होंने कहा- 'कंगना रनौत कई सालों से मेरी दोस्त रही हैं और मैं उन्हें हर्ट नहीं करना चाहता. लेकिन, अगर मणिकर्णिका छोड़ने के बारे में बात करें तो मैं कहना चाहूंगा कि मैंने फिल्म का काफी हिस्सा शूट कर लिया था. मैंने अपने डायरेक्टर से पूछा कि क्या हमें फिर शूटिंग करनी चाहिए. इस पर डायरेक्टर ने कहा कि उन्हें एक मेल मिला है, जिसमें कहा गया है कि अब वे इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं.'

सोनू सूद आगे कहते हैं- 'इस बारे में जब मैंने कंगना से बात की तो उन्होंने कहा कि वो इस फिल्म को डायरेक्ट करना चाहती हैं और वह चाहती हैं कि इसमें मैं उन्हें सपोर्ट करूं. मैंने उनसे कहा कि हमें निर्देशक से बात करनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने फिल्म के लिए काफी मेहनत की है. लेकिन, कंगना ने मेरी बात नहीं मानी और कहा कि वह खुद फिल्म को डायरेक्ट करना चाहती हैं. फिर मैंने फिल्म के सीन देखे तो पता चला कि मेरे 80 प्रतिशत सीन काट दिए गए हैं. जिन सीन्स को मैंने नैरेट किया था, वो फिल्म से हटा दिए गए हैं.'

'इस बारे में मैंने कंगना से बात की तो उन्होंने कहा कि वह फिल्म को अलग अंदाज में शूट करना चाहती हैं. इस पर मैंने कंगना से कहा कि तुम मेरी दोस्त हो, लेकिन तुम मुझे जिस अंदाज में शूट करने के लिए कह रही हो, उसमें मैं कंफर्टेबल नहीं हूं. जो पिछली स्क्रिप्ट थी, मैंने उस कहानी और डायरेक्टर के लिए हामी भरी थी. इसलिए मैं ये फिल्म अब छोड़ना चाहता हूं. मैंने फिल्म को 4 महीने दिए थे. इसलिए इसे छोड़ने पर मुझे काफी दुख भी हुआ था.'

32 साल की हुईं सना सईद, 1998 में किया था शाहरुख की बेटी का रोल

बॉलीवुड एक्ट्रेस सना सईद उनका जन्म 22 सितंबर 1988 को मुंबई में हुआ था. सना वही लड़की हैं जिन्होंने शाहरुख खान, काजोल और रानी मुखर्जी की सुपरहिट फिल्म कुछ कुछ होता है में शाहरुख की बेटी अंजली की भूमिका अदा की थी. साल 1998 में आई इस फिल्म में सना के चुलबुले रोल को खूब सराहा गया.

बचपन में 'कुछ कुछ होता है' से सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाने वाली सना सईद ने 'हर दिल जो प्यार करेगा' और 'बादल' में भी बाल कलाकार के तौर पर काम किया था. वह साल 2008 में 'बाबुल का आंगन छूटे न' और 'लो हो गई पूजा इस घर की' टीवी शो में नजर आईं. वह कई रियलिटी शो 'नच बलिए 7', 'झलक दिखला जा 6', 'झलक दिखला जा 7' और 'झलक दिखना जा 9' में काम कर चुकी हैं.

बतौर एक्ट्रेस साल 2012 में सना सईद ने करण जौहर द्वारा निर्देशित फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से डेब्यू किया. सना के अलावा इस फिल्म में वरुण धवन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और आलिया भट्ट भी थे. सना ने बतौर एक्ट्रेस शुरुआत तो कर ली है. लेकिन अभी उन्हें कामयाबी का इंतजार है.

सना सईद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी बोल्ड तस्वीरों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं.

आपका दिन बना देगा काजल राघवानी और खेसारी लाल का भोजपुरी गाना 'डाल के केवाड़ी में कल्ली'

भोजपुरी सुपरस्टार और बिग-बॉस 13 फेम खेसारी लाल यादव इंटरनेट पर खूब धमाल मचा रहे हैं. ये अपने भोजपुरी वीडियो सॉन्ग से फैंस का मनोरंजन करते रहते हैं. वहीं, खेसारी लाल यादव और काजल राघवानी एक हिट भोजपुरी जोड़ी है, जो फैंस के बीच काफी लोकप्रिय हैं. इस जोड़ी का एक भोजपुरी गाना 'डाल के केवाड़ी में कल्ली' का वीडियो यूट्यूब पर वायरल हो रहा है.

भोजपुरी गाना 'डाल के केवाड़ी में कल्ली' को खेसारी लाल यादव और प्रियंका सिंह ने गाया है जबकि इसके बोल श्याम देहाती ने लिखे हैं. ओम झा ने म्यूजिक दिया है. इस गाने की लोकप्रियता का आलम यह है कि यूट्यूब पर इसे अब तक 18,787,047 व्यूज मिल चुके हैं.

बता दें कि खेसारी लाल यादव भोजपुरी सिनेमा की कई हीरोइन के साथ धमाकेदार डांस और रोमांस करते नजर आ चुके हैं. खेसारी रोमांस और एक्शन के मास्टर हैं. इसके साथ ही उन्हें भोजपुरी सिनेमा का 'कॉमेडी किंग' कहा जाता है. कहा जाता है कि खेसारी की जोड़ी सबसे ज्यादा एक्ट्रेस काजल राघवानी के साथ जमती है. जिस फिल्म का गाने में ये दोनों नजर आ जाते हैं उसे पहले से ही हिट मान लिया जाता है. वहीं काजल के अलावा खेसारी आम्रपाली दुबे और अक्षरा सिंह के साथ भी धमाकेदार रोमांटिक सीन कर चुके हैं.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत भूमाफिया के लिए TP–56 – TP–58 बना आशीर्वाद

मनपा के कुछ भष्टाचार अधिकारीयों की महेरबानी से भष्टाचार स्पेशलिटी अधिकारी

सुरत, गुजरात में ही नही भारत भर सबसे ज्यदातर प्रर्न्तियो की संख्या होने से ज्यादा तर लोग अन्य राज्यों से रोजगार की तलाश में आकर रहने लगते हैं लेकिन कुछ भ्रष्टलोगों की वजह से सभी लोगों को परेशानी का समाने करना पड़ाता जिसका नमूना पांडेसारा के एक सोसायटी जो मनपा में रजिस्टर होने के वाबजूद सोसायटी में तीन से चार बार नक्शा बदल कर अन्य सोसायटी की जगह पर कब्जा कर लिया जाता हैं अगर कर्मचारी कोई भी कार्यवाही करने जाते हैं तो उनकी तुरंत बदली कर दिया जाता हैं सूत्रों के पास से मिली जानकारी अनुसार इस सोसायटी में रजिस्टर होने के बावजूद अवैध रूप ने जो मकान,एपार्टमेन्ट, बना हैं उनमें ज्यादातर मकान रोड ,रास्ता, मार्जिन , गार्डन, रिजर्वेशन जगह पर मनपा के अधिकारियो और सोसायटी की प्रमुख की मिली भगत से हो रहा हैं इसमें कई जमीन के दलालों की मनपा के अधिकारियो के साथ अच्छीखासी मिल्कत बना कर बेचने का अवैध तरीके से कारोबार चल रहा हैं,

तक्षशीला कांड के मुख्य आरोपी पी.डी. मुंशी और वी.के परमार भी उधना ज़ोन में कई इस तरह से कांड किया थे जिसके चले आज नही पर कई साल पहले बना तक्षशीला में 22 लोगों के जान जाने के बाद कार्यवाही हुआ अगर इस तरह कई कार्यवाही पहले हो जाते तो शायद इस तरह कई कोई दुर्धटना नही होती लेकिन क्या करे जब भष्टाचार अधिकारीयों की महेरबानी से भूमाफिया के लिए TP–56 – TP–58 बना आशीर्वाद.

जयअंबे सोसायटी पर किसकी महेरबानी ?

सुरत मनपा कार्यपालक से क्या संबंध ?

रेसी. सर्व न.165/2,174,175
ब्लोक न. 273,260
रजिस्टर सोसायटी होने के बाद भी बार–बार हो रहे नक्शा में फेरबदल आखिर क्यों ?

अवैध रूप से किस अधिकारीयों/सेवक की महेरबानी होने से कोई भी कार्यवाही नही हो रही ?
क्या किसी के हैं निजी संपर्क कोई अधिकारी से के फिर गुलाबी नोटों का यह कमाल ?
पावर ऑफ अटर्नी धारक सोसायटी में मंजुर प्लान से ज्याद प्लोट बना कर बेच रहे है किसकी महेरबानी ?

रिजर्वेशन जगह पर,सोसायटी के रोड पर बनाए मकान

क्यों नही किया मनपा के कोई कार्यवाही क्या गुलाबी नोटों से किया यह कमाल ?
छोटी सी एक मकान पर जब नोटिस दे सकते हैं तो यहाँ पर क्यों नही ?
अधिकारियो/सेवक की अवैध रूप से अनेक बेनामी संपत्ति आखिर कब होगी जाँच ?
भूतकाल के सभी अधिकारियो की जाँच किया गया तो अनेक करोड़ों की कालाबाजारी सामने आएगा.

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार मनपा उधना ज़ोन में अगर अधिकारियो की संपत्ति जाँच किया जाय तो कई करोडों कई बेनामी संपत्ति मिलगा।

जिसमें कई मनपा के कमर्चारी, अधिकारियों, नगरसेवकों, सोसायटी के प्रमुखों, जमीन दलालों, बिल्डर , कोन्ट्रक्टर, कई मिली जगह से अधिकारयों के बेनामी संपत्ति को ठिकाने लगा रहे है,

रिजर्वेशन जगह पर भी प्लोट बना कर कई जमीन दलाल लोगों को बेच देते हैं।

मनपा से सेटिंग्स होने के कारणवश कुछ समय तक कोई भी कार्यवाही नही होती। लेकिन पूरा बनने के बाद फिर मनपा के अधिकारी ही जाकर उसे तोड़ने की कार्यवाही करते हैं,

एक अधिकारी ने यहाँ तक भी कहाँ लोग का क्या हम अपना देखते है,